साप्ताहिक
शहर सत्ता
PRGI NO. CTHIN/25/A2378
सोमवार, 17 नवंबर से 23 नवंबर 2025
हम दिखाएंगे आईना...
वर्ष : 01 अंक : 37 पृष्ठ : 12 मूल्य : 5 रुपए www.shaharsatta.com

पेज 03 में...
रायपुर में फिर गूंजेगा टीम इंडिया का शोर

पेज 12 में...
देर है, अंधेर नहीं...राजन्

पेज 07 घर पर अफ्रीका से हारी टीम इंडिया

खरीदी : दन दनादन धान

25 लाख से ज्यादा किसान बेचेंगे धान, पहले दिन सिर्फ 10% केंद्रों में धान खरीदी

छत्तीसगढ़ में 15 नवंबर से धान खरीदी की शुरुआत हो गई है। धान खरीदी के पहले दिन प्रदेश भर से अलग-अलग तस्वीरें सामने आई है। कहीं धान खरीदी केंद्रों में ताले लटके रहे। कहीं अधिकारी-कर्मचारी नहीं पहुंचे। इन सबके बीच कर्मचारियों की हड़ताल की वजह से टोकन नहीं मिलने पर किसान परेशान नजर आए। कहीं उत्तरप्रदेश से लाया हुआ अवैध धान भी पकड़ाया। बलरामपुर जिले में पुलिस ने साढ़े 4 किलोमीटर दूर पीछा कर अवैध धान की गाड़ी रुकवाया। घटना का वीडियो भी सामने आया है। दोनों वाहनों से लगभग 200 बोरी अवैध धान बरामद हुआ है। वहीं सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में लापरवाही के कारण 4 समितियों के प्रभारी प्रबंधकों की सेवा समाप्त कर दी गई है। धान खरीदी काम करने से मना करने पर गिरफ्तार भी करा सकती है सरकार। तत्संबंध में सरकार ने कर्मचारियों पर ESMA लगा दिया है।

पहले दिन सुबह 11 बजे तक करीब 2 लाख 28 हजार किसानों का टोकन कटा

धमतरी में लटका ताला, 10 कर्मचारी बर्खास्त

बलरामपुर में अवैध धान से भरी पिकअप पकड़ाई है

पुलिस ने साढ़े 4 किलोमीटर दूर पीछा कर अवैध धान की गाड़ी को पकड़ा

धमतरी में तौल मशीन खराब। औपचारिकता निभाई गई

राजनांदगांव में धान खरीदी के पहले दिन केंद्र में सन्नाटा रहा

दुर्ग संभाग में हड़ताल पर गए 7 कर्मचारियों को बर्खास्त किया गया है

रायपुर जिले के गनियारी उपार्जन केंद्र में तौल पूजा से खरीदी शुरू

शहर सत्ता/ब्यूरो टीम। छत्तीसगढ़ में 15 नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू हो गई है। पूरे प्रदेश में 2,739 उपार्जन केंद्र बनाए गए हैं। सरकार के सख्त निर्देश के बाद भी पहले दिन मात्र 10 प्रतिशत यानि 195 उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी हुई। इन केंद्रों के माध्यम से 19,464 क्विंटल धान खरीदा गया है। धान खरीदी के पहले दिन प्रदेश भर से अलग-अलग तस्वीरें सामने आई है। कहीं धान खरीदी केंद्रों में ताले लटके रहे। कहीं अधिकारी-कर्मचारी नहीं पहुंचे। इन सबके बीच कर्मचारियों की हड़ताल की वजह से टोकन नहीं मिलने पर किसान परेशान नजर आए। कहीं उत्तरप्रदेश से लाया हुआ अवैध धान भी पकड़ाया।

बलरामपुर जिले में पुलिस ने साढ़े 4 किलोमीटर दूर पीछा कर अवैध धान की गाड़ी रुकवाया। घटना का वीडियो भी सामने आया है। दोनों वाहनों से लगभग 200 बोरी अवैध धान बरामद हुआ है। वहीं सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में लापरवाही के कारण 4 समितियों के प्रभारी प्रबंधकों की सेवा समाप्त कर दी गई है। इसके अलावा हड़ताल पर गए सहकारी समिति कर्मचारी संघ के प्रदेश स्तरीय पदाधिकारियों पर कार्रवाई की गई है। आरोपों की जांच के बाद सहकारिता विभाग ने कुल 6 पदाधिकारियों की सेवाएं समाप्त कर दी हैं।

सख्त चेतावनी, लापरवाही किए तो होगी बड़ी कार्रवाई -कलेक्टर गौरव सिंह

रायपुर कलेक्टर गौरव सिंह ने धान खरीदी को लेकर समीक्षा बैठक ली। जहां उन्होंने संबंधित अधिकारियों को धान खरीदी केन्द्रों में हर संभव व्यवस्था उपलब्ध कराने को कहा है। कलेक्टर ने स्पष्ट किया है कि शासन ने एस्मा लागू किया है। किसी भी स्तर पर लापरवाही किए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

धमतरी में धान खरीदी केंद्र पर लटका ताला

धमतरी जिले में धान खरीदी केंद्रों पर अव्यवस्था देखने को मिली। माकरदोना सोसाइटी में धान खरीदी के पहले दिन केंद्र पर ताला लगा मिला, जिसे किसानों को तोड़ना पड़ा। इस दौरान किसानों ने ही खुद इलेक्ट्रॉनिक कांटे से खरीदी की और औपचारिकता निभाई। माकरदोना सोसाइटी के गेट और प्रबंधक कक्ष में 15 नवंबर को ताला लटका हुआ था। कई किसान केंद्र पहुंचे लेकिन ताला देखकर लौट गए। तहसीलदार, पटवारी, सरपंच और नोडल अधिकारी बाहर खड़े थे। पूछने पर बताया गया कि चौकीदार चाबी लेकर कहीं चला गया है।

बलरामपुर में उत्तरप्रदेश से लाया अवैध धान जब्त

बलरामपुर जिले में पुलिस ने साढ़े 4 किलोमीटर दूर पीछा कर अवैध धान की गाड़ी को पकड़ा है। जिले में 15 नवंबर से धान खरीदी शुरू हुई है। इस दौरान उत्तरप्रदेश से 2 पिकअप गाड़ी में कुछ लोग अवैध धान लेकर पहुंचे थे। जांच में दोनों वाहनों से लगभग 200 बोरी अवैध धान बरामद हुआ। वाहन चालकों के पास वैध दस्तावेज नहीं थे। जिसके बाद दोनों गाड़ियों को जब्त कर थाने में सुपुर्द कर दिया गया है। जिले में 2 दिनों में 410 बोरी अवैध धान पकड़ाया है।

धान खरीदी : माननीयों ने खिंचवाई तस्वीर

बिलासपुर में डिप्टी सीएम अरूण साव ने खरीदी की शुरुआत की

कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने रायगढ़ जिले के कोड़ातराई पहुंच कर धान खरीदी योजना का शुभारंभ किया।

सूरजपुर में खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने धान खरीदी की शुरुआत की।

अभनपुर सेवा सहकारी समिति में संभागायुक्त महादेव कावरे ने खरीदी की शुरुआत की।

ऑनलाइन टोकन, टोल फ्री नंबर

इस साल खरीदी को अधिक पारदर्शी बनाने ऑनलाइन टोकन और तुंहर टोकन प्रणाली लागू है। 15 नवंबर को जारी 2,029 टोकन में से 1,912 तुंहर टोकन से लिए गए। किसानों की सुविधाओं के लिए केन्द्रों में पानी, छाया, शौचालय और प्राथमिक उपचार की व्यवस्था की गई है। नोडल अधिकारियों और हेल्पलाइन 1800-233-3663 को भी सक्रिय रखा गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि किसानों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए खरीदी कार्य को समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से संचालित किया जाए।

2,739 उपार्जन केंद्र बनाए गए

छत्तीसगढ़ में 2,739 उपार्जन केंद्र बनाए गए हैं, जहां से किसानों से धान खरीदी की जाएगी। यह प्रक्रिया 15 नवंबर से 31 जनवरी 2026 तक चलेगी। एक एकड़ खेत से अधिकतम 21 क्विंटल धान खरीदी की जाएगी। केंद्रों में मापक यंत्र, तौल कांटा, बारदाना, कंप्यूटर और इंटरनेट जैसी सभी जरूरी व्यवस्थाएं की गई हैं।

ऐसे और इस समय करें टोकन ऐप का उपयोग

टोकन तुहर हाथ" मोबाइल ऐप डाउनलोड करके टोकन ले सकते हैं। टोकन काटने के लिए 70 और 30 का अनुपात रखा गया है। इसमें 70% किसान मोबाइल ऐप के माध्यम से और 30% मैन्युअल रूप से समिति में जाकर टोकन कटवा सकते हैं। तुंहर टोकन मोबाइल ऐप के जरिए किसान रोज़ाना सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक ऑनलाइन टोकन प्राप्त कर सकेंगे। 2 एकड़ या उससे कम जमीन वाले किसानों को अधिकतम एक टोकन, 2 से 10 एकड़ जमीन वाले छोटे किसानों को अधिकतम दो टोकन और 10 एकड़ से ज़्यादा जमीन वाले बड़े किसानों को अधिकतम तीन टोकन मिलेंगे।

टोकन तुंहर हाथ ऐप कर रहा परेशान

रायपुर के किसान पारसनाथ साहू ने बताया कि उनके गांव के ज्यादातर किसानों का पंजीयन अभी तक नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि इस साल धान खरीदी आसानी से नहीं हो पाएगी। एग्रीस्टेक में पंजीयन नहीं हुआ है। दिल्ली से ऐप बंद कर दिया गया है और टोकन नहीं कट रहे हैं। दुर्ग के किसान नागेंद्र चंद्राकर ने कहा- उनकी 13-14 एकड़ खेती है। आधी फसल कट चुकी है और आधी बाकी है। धान बेचने में सबसे बड़ी दिक्कत हड़ताल की वजह से आ रही है। इसके अलावा ऑनलाइन प्रक्रिया भी ठीक से काम नहीं कर रही है।

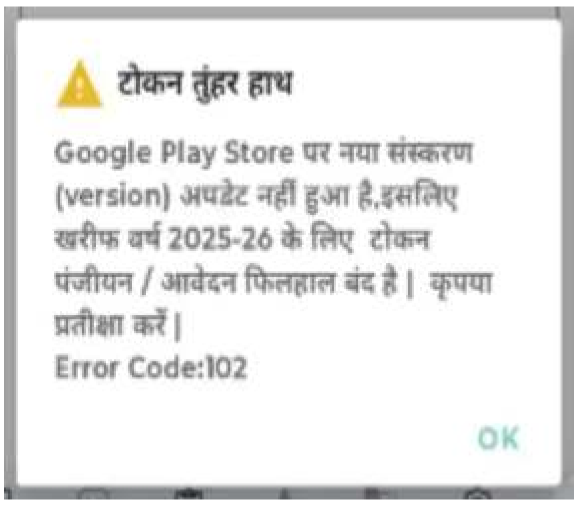

इन जिलों में क्या है टोकन की स्थिति ऐसी

रायपुर जिले में कुल 1 लाख 34 हजार 37 किसान पंजीकृत हैं। 1,26,921 हेक्टेयर में धान की खेती हुई है। जिले में 139 उपार्जन केंद्र बनाए गए हैं। प्रशासन ने अवैध धान ले जाने से रोकने के लिए 5 चेक पोस्ट भी स्थापित किए हैं, लेकिन किसानों को टोकन नहीं मिला है। दुर्ग जिले में कुल 1 लाख 12 हजार 446 किसान पंजीकृत हैं। जिले में 87 समितियां और 102 उपार्जन केंद्र हैं। अब तक 61 टोकन जारी किए गए हैं, लेकिन कई किसान अभी भी इस प्रक्रिया को लेकर परेशान हैं। इससे किसानों की परेशान बढ़ गई है। वहीं बिलासपुर में 1 लाख 12 हजार 252 किसानों का पंजीयन है। 140 उपार्जन केंद्र तैयार किए गए हैं। खाद्य नियंत्रक अमृत कुजूर ने बताया कि शनिवार-रविवार की छुट्टियों के कारण धान खरीदी सोमवार से शुरू होगी। सहकारी समितियों के कर्मचारियों की हड़ताल के चलते कलेक्टर ने अन्य विभागों के कर्मचारियों को काम सौंपा है।

48 हजार से ज्यादा किसान, लेकिन टोकन नहीं मिला

इसके अलावा बस्तर जिले में कुल 48 हजार से ज्यादा किसान पंजीकृत हैं। धान खरीदी के 79 केंद्रों के लिए ऑपरेटरों की व्यवस्था एक निजी एजेंसी कर रही है, जो टेंडर के आधार पर 79 ऑपरेटर नियुक्त कर रही है। किसानों को टोकन नहीं मिलने से कल खरीदी केंद्र में किसान कम दिखेंगे। वहीं रायगढ़ जिले में 69 समितियों के 105 उपार्जन केंद्र बनाए गए हैं। आज यानी 15 नवंबर से 31 जनवरी तक किसानों से नगद और लिंकिंग दोनों तरीके से धान की खरीदी होगी। जिले में अब तक 81 हजार 500 किसानों का पंजीकरण हो चुका है। इसके साथ ही सरगुजा जिले में 54 केंद्रों पर धान खरीदी होगी। 13 नवंबर को इन केंद्रों में ट्रायल रन किया गया। समितियों के प्रबंधक और कंप्यूटर ऑपरेटर हड़ताल पर होने की वजह से प्रशासन ने सभी 54 केंद्रों के लिए नए धान खरीदी प्रभारी और कंप्यूटर ऑपरेटर नियुक्त किए हैं। धान खरीदी लक्ष्य 39 लाख 2 हजार 190 क्विंटल है।

नए नियम से बढ़ी किसानो की दिक्कत

धान बेचने के लिए अब किसानों को रकबा सत्यापन कराना जरूरी है। यह प्रक्रिया डिजिटल गिरदावरी सर्वे के बाद भी अनिवार्य की गई है। किसानों का कहना है कि यह अनावश्यक और समय लेने वाली प्रक्रिया है, जिससे खरीदी पर असर पड़ सकता है। भारतीय किसान संघ के तेजराम विद्रोही ने कहा कि जिन किसानों का पंजीयन नहीं हो पा रहा है, जिनका ऑनलाइन पंजीयन या टोकन नहीं हो पा रहा है, उन्हें सोसायटी स्तर पर पंजीयन की अनुमति दी जाए।

राजनांदगांव में धान खरीदी के पहले दिन केंद्र में सन्नाटा रहा।

धमतरी के शंकरदाह केंद्र में सुबह से किसान धान लेकर पहुंचे हैं। केंद्र में अधिकारी-कर्मचारी नदारद है।

राजनांदगांव में धीमी गति से खरीदी हुई

राजनांदगांव में धान खरीदी के पहले दिन कर्मचारियों की हड़ताल और टोकन न मिलने के कारण शुरुआत धीमी रही। जिले के उपार्जन केंद्रों पर व्यवस्था चरमरा गई, जिससे किसान अपनी उपज बेचने के लिए कम संख्या में पहुंचे। कर्मचारियों की हड़ताल के चलते धान खरीदी केंद्रों पर कामकाज प्रभावित हुआ है। जिला प्रशासन ने राजस्व अमले को खरीदी केंद्रों पर तैनात किया है, लेकिन प्रभारी कर्मचारियों को प्रक्रिया समझने में दिक्कतें आ रही हैं। कई केंद्रों पर किसानों को टोकन ही नहीं मिल पाए, और जहां टोकन मिले, वहां कर्मचारी गैरहाजिर थे। पहले दिन यहां दो किसानों से 152 कट्टा धान की खरीदी की जा सकी।

दुर्ग संभाग में 7 कर्मचारी बर्खास्त

छत्तीसगढ़ में धान खरीदी से पहले सहकारी समितियों के कर्मचारियों और कंप्यूटर ऑपरेटरों की अनिश्चितकालीन हड़ताल पर है। जिससे प्रदेशभर में धान खरीदी प्रक्रिया सीधे प्रभावित हो रही है। दुर्ग संभाग सहित सात जिलों से रोजाना लगभग ढाई हजार कर्मचारी दुर्ग के मानस भवन के पास धरना स्थल पर एकत्र हो रहे हैं। इसी बीच, जिला प्रशासन ने धान खरीदी में गायब कर्मचारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की है, जिसके तहत 7 कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। इस कार्रवाई से आंदोलन और आक्रामक हो गया है।

सारंगढ़ में 4 प्रभारी प्रबंधकों की सेवा समाप्त

सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में पहले दिन धान खरीदी कार्य में लापरवाही बरतने के आरोप में जिले की 4 समितियों के प्रभारी प्रबंधकों की सेवा समाप्त कर दी गई है। जिन प्रभारी प्रबंधकों की सेवा समाप्त की गई है, उनमें प्राथमिक कृषि सहकारी समिति मर्यादित पवनी के रामेश्वर साहू, समिति भटगांव के राजेश कुमार आदित्य, समिति धनगांव के दयाराम यादव और समिति जोरा के गिरजा शंकर साहू शामिल हैं।

रायपुर में फिर गूंजेगा टीम इंडिया का शोर

3 दिसंबर को भारत-दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला जाएगा वनडे सीरीज का दूसरा मैच

- 18 नवंबर से टिकट बिक्री शुरू
- छात्रों को मिल सकती है विशेष छूट

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के रोमांच में डूबने को तैयार है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा जारी शेड्यूल के अनुसार, शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 3 दिसंबर को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच एकदिवसीय (वनडे) अंतर्राष्ट्रीय मुकाबला खेला जाएगा।

यह मुकाबला दोनों टीमों के बीच खेली जाने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज का दूसरा मैच होगा। रायपुर में यह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का तीसरा बड़ा आयोजन होगा। इससे पहले, स्टेडियम ने 2023 में भारत बनाम न्यूज़ीलैंड के बीच पहला वनडे तथा 2024 में भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया के बीच टी-20 मुकाबले की सफलतापूर्वक मेजबानी की थी।

मैच का समय और टिकट व्यवस्था : यह मुकाबला दोपहर 1:30 बजे से शुरू होगा, जबकि टॉस दोपहर 1:00 बजे होगा।

टिकट बिक्री: क्रिकेट प्रेमियों के लिए टिकटों की बिक्री 18 नवंबर से शुरू हो जाएगी। टिकट ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से उपलब्ध होंगे।

कीमतें: छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ ने इस बार टिकटों के दाम पिछले आयोजनों की तुलना में कम रखने का संकेत दिया है। दर्शकों को मैच देखने के लिए न्यूनतम ₹1000 का टिकट खरीदना पड़ सकता है।

छात्रों के लिए छूट: छात्रों को विशेष रियायत दिए जाने की संभावना है और उनके लिए टिकट की कीमत लगभग ₹500 रखी जा सकती है। छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ 17 नवंबर को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करेगा, जिसमें टिकट व्यवस्था, दरें और आयोजन से जुड़ी सभी विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी।

स्टेडियम में तैयारियां तेज : मैच की घोषणा के साथ ही छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ ने स्टेडियम में व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने काम तेज कर दिया है।

मैदान: ग्राउंड में घास कटाई और पिच तैयारियों का काम युद्धस्तर पर जारी है।

दर्शक सुविधा : दर्शकों के लिए नई एलईडी स्क्रीन लगाई जा रही है, जिससे डीआरएस (DRS) और लाइव स्कोरिंग की स्पष्टता बढ़ेगी। टूटी हुई कुर्सियों की मरम्मत और पूरे स्टेडियम में रंगरोगन का काम भी अंतिम चरण में है।

भविष्य के लिए नया रास्ता

हाल ही में, राज्य सरकार ने शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम को बीसीसीआई को लीज पर देने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इस कदम से भविष्य में वनडे के साथ-साथ टी-20 और पांच दिवसीय टेस्ट मैचों के आयोजन का रास्ता साफ हो गया है। लीज पर देने के बाद स्टेडियम का पूरा मेंटेनेंस अब बीसीसीआई के पास रहेगा। लगभग 60,000 दर्शकों की क्षमता वाला यह स्टेडियम देश का दूसरा सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम है, जो आने वाले वर्षों में और बड़े आयोजनों की मेजबानी करने की उम्मीद जगाता है।

आठ साल बाद फिर जगेगी उम्मीद

37.75 करोड़ में होगा रायपुर के 'अधूरे' स्काईवॉक का निर्माण

रायपुर: राजधानी रायपुर में पिछले आठ सालों से अधूरा पड़ा महत्वाकांक्षी स्काईवॉक (फुट ओवरब्रिज) परियोजना का निर्माण कार्य अब जल्द ही फिर से शुरू होने जा रहा है। लोक निर्माण विभाग (PWD) ने इसे पूरा करने के लिए पीएसएए कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड को ठेका दे दिया है। परियोजना को पूरा करने की लागत 37.75 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है, जिसके लिए एजेंसी को कार्यादिश (Work Order) जारी कर दिया गया है और अनुबंध भी हो चुका है। स्काईवॉक शास्त्री चौक से जयस्तंभ चौक होते हुए आंबेडकर अस्पताल तक प्रस्तावित है।

शास्त्री चौक से आंबेडकर अस्पताल तक प्रस्तावित स्काईवॉक को पूरा करने के लिए PWD ने जारी किया वर्क ऑर्डर

निर्माण कार्य शुरू करने से पहले ठेका कंपनी के सामने एक बड़ी चुनौती है—अधूरे स्ट्रक्चर की मरम्मत। विभाग के अनुसार, परियोजना न सिर्फ अधूरी है, बल्कि आठ साल से खुले में पड़े रहने के कारण तेज़ आंधी-बारिश से यह जगह-जगह से क्षतिग्रस्त हो चुका है, जिससे इसकी हालत जर्जर हो गई है और जनसुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं। क्षतिग्रस्त भाग: निर्माण के दौरान पिलरों पर की गई पेंटिंग, चित्रकारी और फाइबर के छज्जे खराब हो चुके हैं। पाथवे की सुरक्षा के लिए लगी एल्यूमिनियम की चादरें भी कई जगह से गिर चुकी हैं। ठेका कंपनी को सबसे पहले जर्जर हो चुके हिस्सों की मरम्मत करनी होगी, जिसके लिए अतिरिक्त समय और करोड़ों रुपये की लागत लग सकती है।

परियोजना की वित्तीय स्थिति और निगरानी

स्काईवॉक का करीब 60 प्रतिशत स्ट्रक्चर पहले ही तैयार हो चुका है, जिस पर अब तक 50 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं। शेष 40 प्रतिशत कार्य अब नई एजेंसी पूरा करेगी।

नई ठेका कंपनी : पीएसएए कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड, रायपुर

शेष कार्य की लागत : 37,75,70,662 रुपये

परियोजना की पुरानी लागत : लगभग 50 करोड़ रुपये

चुस्त पुलिसिंग को लेकर आईजी ने एसएसपी समेत एएसपी, सीएसपी और टीआई की ली बैठक

रायपुर। रायपुर रेंज आईजी अमरेश मिश्रा और एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने एएसपी, सीएसपी समेत थाना प्रभारियों की बैठक ली। इस दौरान बैठक में शहर की सुरक्षा व्यवस्था, बढ़ते अपराधों पर नियंत्रण, चाकूबाजी पर रोकथाम और आसामाजिक तत्वों पर कार्रवाई जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई। साथ ही आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

बैठक में दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

आईजी अमरेश मिश्रा और एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह की ओर से यह बैठक सिविल लाइन स्थित सी-4 भवन में आयोजित की गई थी। इस बैठक में रायपुर शहर के सभी ASP, CSP समेत थाना प्रभारी शामिल हुए। इस दौरान शहर की सुरक्षा व्यवस्था, बढ़ते अपराधों पर नियंत्रण, चाकूबाजी पर रोकथाम और आसामाजिक तत्वों पर कार्रवाई जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई। साथ ही आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

होटल, लॉज और ढाबों में करें चेकिंग- IG

IG अमरेश मिश्रा ने DGP-IG कॉन्फ्रेंस के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने साल के अंत तक जिले के सभी होटल, ढाबो, लॉज की चेकिंग और नाकेबंदी के लिए कहा। इतना ही नहीं उन्होंनें रेलवे स्टैण्ड और बस स्टैण्ड में बाहरी व्यक्तियों की तलाशी लेने की बात भी कही।

लंबित मामलों के निराकरण के निर्देश

इसके अलावा IG अमरेश मिश्रा ने बैठक में जल्द से जल्द लंबित अपराध, रिपोर्ट, गुम इंसान और शिकायत पत्रों का निराकरण करने की बात कही है। विजिबल पुलिसिंग पर जोर देने, आसामाजिक तत्वों, निगरानी गुण्डों-बदमाशों और पुराने अपराधियों की गतिविधियों पर नजर रखकर समय-समय पर विशेष अभियान चलाकर उनकी चेकिंग करने को कहा है।

दुष्कर्म मामले में FIR में देरी, कोतवाली प्रभारी निलंबित

जशपुरनगर। छत्तीसगढ़ के जशपुर में एक गंभीर मामले में प्राथमिकी (FIR) दर्ज करने में लापरवाही बरतना सिटी कोतवाली प्रभारी आशीष तिवारी को भारी पड़ गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (SSP) शशि मोहन सिंह ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तिवारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन की यह कार्रवाई कक्षा दसवीं की छात्रा से दुष्कर्म के मामले में एफआईआर दर्ज करने में लेटलतीफी किए जाने के कारण की गई है। एसएसपी शशि मोहन सिंह ने बताया कि पीड़िता के परिजनों द्वारा थाने में सूचना दिए जाने के बावजूद, आरोपित शिक्षक गिरधारी यादव के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज करने में अनावश्यक देरी की गई। इसी गंभीर लापरवाही को देखते हुए कोतवाली प्रभारी के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की गई है।

लोन फ्रॉडः एचडीएफसी बैंक कर्मचारी सहित दो गिरफ्तार

भिलाई। छत्तीसगढ़ के धमधा ब्लॉक में एक बड़े आर्थिक धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। एचडीएफसी बैंक के एक कर्मचारी ने अपने सहयोगी के साथ मिलकर 26 किसानों को दूध डेयरी के लिए सरकारी लोन दिलाने का झांसा देकर उनसे करीब 46 लाख रुपये की धोखाधड़ी की है। पुलिस ने एचडीएफसी बैंक के कर्मचारी विकास सोनी और उसके सहयोगी मधु पटेल को गिरफ्तार कर लिया है। उनके खिलाफ धारा 420, 34, और 120 बी के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। पुलिस मामले की विस्तृत जाँच कर रही है। धमधा थाना में ग्राम घोटा निवासी चंद्रिका पटेल द्वारा दर्ज कराई गई रिपोर्ट के अनुसार, ग्राम परसकोल निवासी मधु पटेल ने एचडीएफसी बैंक, धमधा के कर्मचारी विकास सोनी के साथ मिलकर इस धोखाधड़ी को अंजाम दिया।

आयुष्मान में बड़ी गड़बड़ी

20 से ज़्यादा निजी अस्पताल जाँच के दायरे में, इलाज की अनुमति छीनी जाएगी

बिलासपुर। प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना (PMJAY) के तहत उपचार देने वाले निजी अस्पतालों में अनियमितताओं और गड़बड़ियों को लेकर राज्य स्तर पर बड़ी कार्रवाई की जा रही है। ज़िला स्तर पर मिली गंभीर शिकायतों के आधार पर, मौजूदा स्थिति में 20 से ज़्यादा निजी अस्पतालों को जाँच के दायरे में लिया गया है। स्वास्थ्य विभाग की नोडल एजेंसी ने इन अस्पतालों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि यदि जवाब संतोषजनक नहीं पाया जाता है, तो ऐसे अस्पतालों को आयुष्मान भारत योजना से इलाज करने से वंचित करने की कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

टोल फ्री नंबर पर शिकायतों का अंबार

नोडल एजेंसी ने बताया कि अनियमितता बरतने, योजना के संचालन में गड़बड़ी करने और मरीज़ों को योजना का लाभ देने से मना करने की शिकायतें लगातार मिल रही हैं। स्वास्थ्य विभाग के टोल फ्री नंबर आरोग्य 104 पर लगातार मिल रही शिकायतों की संख्या इतनी अधिक हो गई थी कि राज्य शासन इन मामलों की उच्चस्तरीय जाँच के लिए बाध्य हो गया।

राज्य शासन के निर्देशानुसार, अब हर जिले की आयुष्मान भारत टीम इन शिकायतों की तेज़ गति से जाँच कर रही है। जाँच में गड़बड़ी की पुष्टि होने पर संबंधित निजी अस्पतालों को छह महीने तक आयुष्मान भारत से इलाज करने से वंचित रखने की कार्रवाई की जा रही है। वर्तमान में, बिलासपुर जिले में ही 20 से ज़्यादा अस्पतालों को शिकायत के आधार पर नोटिस थमाए गए हैं, जिससे स्वास्थ्य महकमे में हड़कंप मच गया है।

इन सात अस्पतालों पर हो चुकी है कार्रवाई

शिकायतों के आधार पर, शहर के सात अस्पतालों के खिलाफ पहले ही कार्रवाई की जा चुकी है, और उनकी तीन से लेकर छह महीने तक की इलाज की अनुमति छीन ली गई है। इन अस्पतालों में शामिल हैं: लाडीकर हॉस्पिटल (शिव टॉकीज रोड), पेंडलवार हॉस्पिटल (तोरवा चौक), शशि मेमोरियल हॉस्पिटल (राजकिशोर नगर), पूजा नर्सिंग होम (पुराना हाई कोर्ट रोड), ओम श्री बालाजी नर्सिंग होम (देवनंदन नगर), डॉ मित्तल हॉस्पिटल, रेंबो हॉस्पिटल (देवकीनंदन चौक)। इस कार्रवाई से यह स्पष्ट हो गया है कि शासन आयुष्मान योजना के सुचारू संचालन और गरीबों को उनका हक दिलाने के लिए गड़बड़ी करने वाले अस्पतालों के खिलाफ किसी भी तरह की नरमी नहीं बरतेगा।

बाएं की जगह दाएं घुटने का किया ऑपरेशन हाईकोर्ट ने दिए उच्चस्तरीय जांच के आदेश

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने बिलासपुर के दो निजी अस्पतालों में एक गरीब महिला के साथ हुई गंभीर चिकित्सीय लापरवाही पर कड़ा रुख अपनाया है। अदालत ने ईएसआईसी योजना के तहत उपचार करा रही दयालबंद निवासी शोभा शर्मा के गलत घुटने का ऑपरेशन किए जाने के मामले में पूर्व में गठित जांच समिति की रिपोर्ट को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कलेक्टर बिलासपुर को निर्देश दिया है कि नियमों का पालन करते हुए एक नई उच्चस्तरीय जांच समिति का गठन किया जाए और चार माह के भीतर जांच पूरी की जाए।

ऑपरेशन में दोहरी लापरवाही

पीड़िता शोभा शर्मा का उपचार पहले लालचंदानी अस्पताल में शुरू हुआ था। बाद में उन्हें ऑपरेशन के लिए आरबी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस भेजा गया। यह पूरा मामला दोनों अस्पतालों की दोहरी लापरवाही को उजागर करता है:

डॉक्टरों पर आरोप है कि उन्होंने जिस बाएं घुटने का ऑपरेशन करना था, उसकी जगह गलती से दाएं घुटने का ऑपरेशन कर दिया। दूसरी लापरवाही: जब इस गंभीर भूल पर आपत्ति जताई गई, तो डॉक्टरों ने कथित तौर पर बिना किसी आवश्यक तैयारी या पूरी जांच के, जल्दबाजी में बाएं घुटने का भी ऑपरेशन कर दिया। दोनों घुटनों के ऑपरेशन के बाद भी शोभा शर्मा की समस्या समाप्त नहीं हुई, बल्कि उनकी स्थिति लगातार बिगड़ती गई। लापरवाही के कारण वह आज भी सामान्य रूप से चलने-फिरने और दैनिक कार्य करने में असमर्थ हैं। पीड़िता ने कोर्ट को बताया कि उनकी आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण न्याय की लड़ाई लड़ना मुश्किल था, लेकिन प्रो बोनो (Pro Bono) कानूनी सहायता मिलने से वह अदालत तक पहुंच सकीं।

ख़ारिज हुई पुरानी जाँच रिपोर्ट

मामले की शिकायत पर पहले एक चार सदस्यीय जांच समिति गठित की गई थी, जिसने दोनों अस्पतालों को क्लीन चिट दे दी थी। हाईकोर्ट ने इस रिपोर्ट को खारिज करते हुए अपनी नाराजगी व्यक्त की।

स्नाइपर स्पेशलिस्ट सहित तीन नक्सली मुठभेड़ में ढेर

सुकमा। सुकमा जिले के भेज्जी-चिंतागुफा सीमावर्ती तुमालपाड़ जंगल में रविवार सुबह डीआरजी (जिला रिजर्व गर्द) टीम और माओवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में सुरक्षा बलों ने 15 लाख के इनामी तीन माओवादियों को मार गिराया है। इनमें कुख्यात जनमिलिशिया कमांडर और स्नाइपर स्पेशलिस्ट माड़वी देवा भी शामिल है। मुठभेड़ स्थल से 303 राइफल, बीजीएल (बैरल ग्रेनेड लांचर्स) और भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद किया गया है। मारे गए माओवादियों के नाम माड़वी देवा जो जनमिलिसिया कमांडर स्नाइपर स्पेशलिस्ट एरिया कमेटी सदस्य था। पोड़ियम गंगी, सीएनएम कमांडर और सोड़ी गंगी, किस्टाराम की एरिया कमेटी सदस्य (इंचार्ज सचिव) है। 9 जून को आईईडी की चपेट में आने से एएसपी आकाश राव शहीद हो गए थे, आज मुठभेड़ में मारा गया माड़वी देवा उस घटना का मास्टर माइंड था। खबर की पुष्टि करते हुए एसपी किरण चव्हाण ने कहा कि जवान मौके पर मौजूद है और हम उनके संपर्क में है।

जानकारी के मुताबिक जिले के चिंतागुफा और भेज्जी थानाक्षेत्र के कारीगुंडम इलाके में आज सुबह डीआरजी जवानों और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हुई है। बताया जाता है कि जवान जब सर्चिंग करते हुए उस इलाके में पहुंचे तो घात लगाए बैठे माओवादियों ने हमला कर दिया उधर जवानों ने मोर्चा संभालते हुए जवाबी कारवाई की। इस मुठभेड़ में एसीएम रैंक के तीन नक्सली मारे जाने की खबर है और हथियार भी बरामद हुए। फिलहाल मुठभेड़ रुक गई है और जवान इलाके को सर्चिंग कर रहे है। जैसे ही जवान वापस लौटेंगे तब पूरी जानकारी मिल पाएगी।

नाम-जाति व बैंक खातों में त्रुटियों से 17,505 विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति अटकी

रायपुर। राज्य के प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत हजारों विद्यार्थियों को अब भी छात्रवृत्ति का इंतजार है। वर्ष 2023-24 और 2024-25 में कुल 17,505 विद्यार्थी नाम, जाति, जन्मतिथि और बैंक विवरण में त्रुटियों के कारण भुगतान से वंचित रह गए हैं। करीब 4 करोड़ रुपए बैंक खातों में सुरक्षित पड़े हैं, लेकिन खाते संबंधी गलतियों के कारण राशि छात्रों तक नहीं पहुंच पा रही। इनमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थी शामिल हैं। कई स्कूलों ने त्रुटियों को ठीक कराने बैंकों से संपर्क किया, लेकिन अधिकांश मामलों में सुधार करने में देरी हुई, जिससे विद्यार्थी लगातार दो शैक्षणिक वर्षों से लाभ नहीं पा सके।

मुख्य कारण – बैंक खातों में त्रुटियाँ

स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि लंबित मामलों का सबसे बड़ा कारण छात्रों के बैंक खातों में गलतियाँ हैं। नाम और जन्मतिथि मेल न खाना, डीबीटी-ऐक्टिवेट न होना, आधार लिंकिंग में त्रुटियाँ और IFSC बदलने के बाद अपडेट न करना प्रमुख समस्याएँ हैं। विभाग का कहना है कि बैंक स्तर पर सुधार प्रक्रिया धीमी होने से भुगतान रोकना पड़ रहा है।

त्रुटि सुधरते ही मिलती है छात्रवृत्ति

अधिकारियों ने बताया कि जैसे ही बैंक खाते की गलती सुधरती है, ऑनलाइन एंट्री के बाद छात्रवृत्ति तुरंत जारी कर दी जाती है। विभाग ने छात्रों और अभिभावकों से अपील की है कि वे स्वयं बैंक जाकर गलत नाम, जन्मतिथि, आधार लिंकिंग, केवाईसी, और IFSC अपडेट जैसी त्रुटियों को ठीक कराएं और उसकी प्रति स्कूल में जमा करें।

गजेंद्र यादव, मंत्री, स्कूल शिक्षा, ने कहा— *"स्कूल शिक्षा विभाग से विस्तृत रिपोर्ट ली जाएगी। बैंकों और स्कूलों के बीच समन्वय बढ़ाकर सुधार की प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दिए जाएंगे। लक्ष्य है कि कोई भी पात्र छात्र केंद्र और राज्य सरकार की छात्रवृत्ति से वंचित न रहे।"*

'Iey मतलब आंख : ग़लत अंग्रेज़ी पढ़ाने वाले शिक्षक निलंबित

बलरामपुर/अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के वाड्रफनगर ब्लॉक स्थित प्राथमिक पाठशाला मचानडांड कोगवार में बच्चों को अंग्रेज़ी के बुनियादी शब्द ग़लत सिखाने वाले सहायक शिक्षक एलबी प्रवीण टोप्पो को शिक्षा विभाग ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। शिक्षक का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेज़ी से वायरल हुआ था, जिसमें वह ब्लैकबोर्ड पर शरीर के अंगों और परिजनों के नाम की स्पेलिंग गलत लिखते और बच्चों को वही दोहराने के लिए कहते नज़र आ रहे थे। वायरल वीडियो में शिक्षक प्रवीण टोप्पो की शैक्षणिक योग्यता और ज्ञान पर गंभीर सवाल खड़े हुए। मुख्य रूप से निम्नलिखित त्रुटियां सामने आईं: Nose (नाक) की जगह 'Noge', Eye (आंख) की जगह 'Ley', Ear (कान) की जगह 'Eare'। इतना ही नहीं, शिक्षक बच्चों को दिनों के नाम (Days of the week) और Father, Mother, Brother, Sister जैसे बुनियादी शब्दों की स्पेलिंग भी गलत बता रहे थे। वीडियो में शिक्षक द्वारा ब्लैकबोर्ड पर गलत स्पेलिंग लिखना स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा था।

रायगढ़ में कचरा फेंकने वालों पर ₹5000 का जुर्माना

रायगढ़। रायगढ़ शहर की सुरक्षा के लिए मुख्य मार्गों और चौक-चौराहों पर लगाए गए सरकारी और निजी सीसीटीवी कैमरे अब दोहरी भूमिका निभा रहे हैं। नगर निगम प्रशासन ने स्वच्छता सर्वेक्षण में मिली सफलता को बरकरार रखने और सड़क किनारे कचरा फेंकने की आदतों पर लगाम लगाने के लिए इन कैमरों का उपयोग स्वच्छता निगरानी के लिए भी शुरू कर दिया है। नगर निगम आयुक्त बृजेश सिंह क्षत्रिय ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कचरा फेंकने वाले व्यक्तियों और प्रतिष्ठानों की पहचान की जा रही है और उन पर नियमानुसार जुर्माना लगाया जा रहा है। इस नई पहल के तहत कार्रवाई शुरू होते ही तीन मामलों में कुल 15,000 रुपये का जुर्माना वसूला जा चुका है। हाल ही में, आलोक सिटी मॉल और होटल एकार्ड प्रीमियम जैसे प्रतिष्ठानों सहित एक व्यक्ति को कैमरे में कचरा फेंकते हुए पकड़ा गया। इन सभी प्रतिष्ठानों/व्यक्तियों पर पांच-पांच हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

संपादकीय

• सुकांत राजपूत

नो पार्ट टाइम पॉलिटिक्स

एक के बाद एक राज्यों में करारी शिकस्त के बाद भी गांधी-नेहरू वाली पार्टी के युवराज को यह समझ क्यों नहीं आ रहा कि जनता को पार्ट टाइम पॉलिटिक्स अब पसंद नहीं। भारतीय मतदाता वर्ग फुल टाइम पॉलिटिशियन पसंद करता है। विधानसभा हो या फिर आम चुनाव जनता को उनके लिए लड़ने वाला, काम करने वाला और जरुरी मुद्दों को उठाने वाला चाहिए। अरे...बाबा मछुआरा संग नदी में मछली पकड़ने, समुद्र में कुलानबाटी खाने, मोची से जूता बनाना सीखने या फिर काल्पनिक आरोप लगाने भर से जीत निर्धारित नहीं होगी। इन सब ध्यान खींचने वाले शटरांगों वाली भारतीय राजनीती को मतदाताओं ने ही अस्वीकार कर कर दिया है।

इन शार्ट यह पार्ट टाइम पॉलिटिक्स का दौर नहीं रहा। कांग्रेस बिहार चुनाव में अब तक का सबसे ख़राब प्रदर्शन की है। गठबंधन जितनी शिद्दत से कांग्रेस ने किया सामाजिक न्याय के मुद्दे को धार देने में उतनी मशक्कत नहीं किया। बिहार चुनाव में दलबदलुओं (एनडीए से आये नेताओं) को तवज्जो से नाराजगी बढ़ी। वोट चोरी के आरोपों ने भी बिगाड़ा खेल, रोजगार को राजनीतिक मुद्दा और एसआईआर जैसे मुद्दे भी दम तोड़ते नजर आये। कांग्रेस को बिहार चुनाव में वर्ष 1995 से लेकर 2025 तक के वोट परसेंट और अपने परफॉर्मेंस का आंकलन करना होगा।

वैसे ही एक करोड़ कार्यकर्ता बनाने का दावा करने वाली जनसुराज पार्टी को भी दस लाख वोट भी नहीं पड़े। राजनीती के कथित स्वयंभू गणित भी फेल हो गया। राजद के युवराजों का भी मुंह खोलकर नौकरी का झांसा देना उनके मुंह से जनता को भरोसा देने में नाकाबिल रहा। क्योंकि लालू का शासनकाल देखे मतदाता को सब याद है। करारी हार के बाद अब परिवार में विरासत की जंग भी शुरू हो सकती है। राजद को धरोहर का बोझ भरी पड़ेगा। खैर चाणक्य की धरती में शाह के समीकरण, जदयू. सुप्रीमो नीतीश के सत्ता का स्थाईत्व और दलित नेता के रूप में पिता से भी आगे निकल चुके चिराग भी पासवान परिवार के युवराज हैं और अब सियासत के धूमकेतु भी बन गए हैं। जरुरत तो राहुल बाबा की पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को समझदार बनने की है। साथ ही युवराज को भी पार्टी और खुद की छवि नो पार्ट टाइम सियासत वाली बनानी पड़ेगी।

सुशील भोले

कोंदा-भैरा के गोठ

-चार ठन पोथी-पतरा मनला पढ़ के चटर-पटर गोठियइया मन के अभी छत्तीसगढ़ म भारी आवक होवत हे जी भैरा.

-हव जी कोंदा.. अउ तैं आकब करे हावस.. जे मनला खुद धरम संस्कृति ल समझे के जरूरत हे, ते मन धरमगुरु के मुखौटा खापे चारों मुड़ा किंजरत बुलत हें.

-हव जी.. अभी तखतपुर क्षेत्र ले जेन खबर आए हे तेन ह तो आशुतोष चैतन्य कहिथें तेन कथावाचक के मूर्खता के संग धूर्तता ल घलो उजागर करत हे.

-हव.. वोकर वायरल विडीयो ल महूँ सुनत रेहेंव.. हमन आपस म गोठिया नइ सकन तइसन गोठ मनला वो ह भरे मंच म तनिया तनिया के गोठियावत रिहिसे.

-सही आय जी.. जेन सतनामी समाज के वो ह भरे मंच म चारी करत रिहिसे ते समाज वाले मन रैली निकाल के थाना म एफआईआर करे हें.

-हव.. पुलिस ह वोला कथास्थल ले गिरफ्तार घलो कर ले हे, फेर मोला लागथे संगी के अइसन चटरहा मन के खिलाफ एकर ले आगू बढ़ के घलो अउ कुछू करे जाना चाही.. काबर ते सरलग अइसन देखे म आवत हे के ए मन जम्मो मूल निवासी समाज मन ऊपर कतकों किसम के आपत्तिजनक गोठ करत रहिथें, जेला कोनो भी सभ्य समाज ह सहे नइ सकय.

JDU से ज्यादा सीटें जीतकर BJP ने साबित किया

आर. जगन्नाथन

बिहार चुनाव के नतीजों से अगर कोई एक सबक सभी राजनीतिक दल सीख सकते हैं तो वो यह है कि मतदाता अत्यधिक नकारात्मकता और लोकप्रिय नेताओं पर हमले पसंद नहीं करता। चुनावों के दौरान, सबसे मुखर नेता राहुल गांधी थे, जिन्होंने वोट चोरी को लेकर खूब हंगामा किया और प्रधानमंत्री पर व्यक्तिगत हमले किए। वे बिहारी मतदाताओं को बता रहे थे कि आपके वोट ने उसे चुना है, जिसे आपने वोट नहीं दिया था! चूंकि 2020 के विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजों को लेकर बहुत कम मतदाताओं का वैसा मानना था, जैसा राहुल बता रहे थे, इसलिए उन्हें एहसास हुआ कि वे अति कर रहे हैं।

दूसरा बिंदु यह है कि इस बार चुनाव सर्वेक्षणकर्ताओं ने दिशा तो सही बताई, लेकिन मतदाताओं के मूड की गहराई को समझने में चूक की। सच तो यह है कि जब मतदाता मन बना लेता है तो वह निर्णायक रूप से एक ही दिशा में जाता है। इस मामले में महिलाओं का वोट- जो इस बार पुरुषों से ज्यादा था- निर्णायक रूप से नीतीश को गया। चूंकि प्रधानमंत्री की महिला मतदाताओं के बीच भी सकारात्मक छवि थी, इसलिए लड़ाई का फैसला अनिवार्य रूप से जातिगत सीमाओं से परे महिला मतदाताओं ने किया है। सवाल यह है कि मतदाताओं ने एक बार फिर ऐसे मुख्यमंत्री को क्यों चुना, जो कई बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं? इसके जवाब में मतदाताओं की मंशा पर गहराई से विचार करने की आवश्यकता होगी। लेकिन एक बात उनके मन में जरूर आई होगी : जब राज्य विकास के मोर्चे पर कुछ नतीजे दिखाने लगा है, तो ऐसे विपक्षी गठबंधन को चुनकर सारे लाभ खोने का जोखिम क्यों उठाया जाए, जो पूरे समय केंद्र से लड़ता रहेगा? बिहार को केंद्र और राज्य दोनों को एक ही दिशा में खींचने की जरूरत है।

दो और बातें ध्यान देने योग्य हैं। पहली, 2020 में जब चिराग पासवान ने नीतीश विरोधी अभियान शुरू किया था, तो उसके विपरीत इस बार एनडीए के सभी सहयोगी एकजुट होकर काम कर रहे थे। यह इंडिया गठबंधन के विपरीत था, जिसमें कांग्रेस और राजद के बीच सीएम के चेहरे को लेकर लंबे समय तक मतभेद रहे थे। दोनों सहयोगी अलग-अलग मुद्दों पर जोर दे रहे थे। इससे भी बुरी बात यह है कि एआईएमआईएम ने सीमांचल में मुस्लिम वोट का एक बड़ा हिस्सा छीन लिया। यह तथ्य कि कांग्रेस को एआईएमआईएम से भी कम सीटें मिलीं, अपनी कहानी खुद बयां कर देता है। इस बार के चुनाव में प्रशांत किशोर एक नया चेहरा थे। चुनाव से पहले उन्हें खूब प्रचार-प्रसार तो मिला, लेकिन वे बुरी तरह से फ्लॉप हो गए। वे एक भी सीट नहीं जीत पाए और चुनाव से पहले की उनकी सभी साहसिक भविष्यवाणियां गलत साबित हुईं। ये नतीजे बताते हैं कि मीडिया में छाए रहने से बात नहीं बनती।

चुनाव से पहले, प्रशांत किशोर कई टीवी और यूट्यूब चैनलों पर बता रहे थे कि उनके उदय से कौन प्रभावित होगा और नीतीश कुमार कैसे चुनाव हार सकते हैं। हुआ ठीक उल्टा। मीडिया ने उन्हें उकसाया और वे उसके झांसे में आ गए। खुद चुनाव नहीं लड़ने के उनके फैसले से भी उनकी छवि को कोई फायदा नहीं हुआ। या शायद हो सकता है कि उन्होंने पहले ही खतरे का अंदाजा लगा लिया हो। लेकिन बिहार चुनाव से सबसे ज्यादा फायदा भाजपा को हुआ है। अब दिल्ली में उसके गठबंधन को कोई खतरा नहीं है, जिसमें जदयू एक महत्वपूर्ण सहयोगी है। लेकिन साथ ही, जदयू पर अपनी बढ़त बनाकर उसने यह भी साफ कर दिया कि नीतीश के बाद बिहार में वही मुख्य राजनीतिक धुरी बनेगी।

हालांकि, जदयू से ज्यादा सीटें जीतने के बावजूद भाजपा नीतीश को अस्थिर नहीं करना चाहेगी, क्योंकि उनकी मौजूदगी उसे बिहार में अल्पसंख्यकों तक पहुंचने का मौका देती है। भाजपा अभी कोई दांव नहीं लगाना चाहेगी। लेकिन वह शायद कुछ बड़े मंत्रालय और 2029 में लोकसभा सीटों का बड़ा हिस्सा मांग सकती है। तेजस्वी के लिए सबक गंभीर हैं। नीतीश की सुनामी में न सिर्फ उन्होंने अपनी सीटें गंवाई, बल्कि चुनाव से कुछ हफ्ते पहले तक राहुल गांधी के पीछे रहकर उन्होंने साफ तौर पर एक गलती की। उन्हें अभी बहुत कुछ सीखना है कि किस पर भरोसा करना है और किसे दरकिनार करना है। अब दिल्ली में भाजपानीत गठबंधन को कोई खतरा नहीं है, जिसमें जदयू एक महत्वपूर्ण सहयोगी है। साथ ही, जदयू पर अपनी बढ़त बनाकर भाजपा ने यह भी साफ कर दिया कि नीतीश के बाद बिहार में वही मुख्य राजनीतिक धुरी बनेगी। **(ये लेखक के अपने विचार हैं)**

भ्रष्टाचार को नजरअंदाज नहीं कर सकते

मिन्हाज मर्चेंट

कांग्रेस-नीत यूपीए सरकार के पतन में टेलीकॉम, कोयला, कॉमनवेल्थ और अगस्ता वेस्टलैंड घोटालों की बड़ी भूमिका थी। लेकिन उसके 11 साल बाद क्या भ्रष्टाचार फिर लौट आया है? बेंगलुरु में बीपीसीएल के सीएफओ के. शिव कुमार को बेटी की मौत के बाद एम्बुलेंस ड्राइवरों से लेकर पुलिस तक और शवदाह गृह स्टाफ से लेकर नगर निगम के अधिकारियों तक हर स्तर पर रिश्वत देनी पड़ी। यह दिखाता है कि स्थानीय स्तर पर भ्रष्टाचार कितनी गहराई तक फैल चुका है।

इसी तरह पुणे में डिप्टी सीएम अजित पवार के बेटे पार्थ पंवार की कंपनी से जुड़े 300 करोड़ रु. के जमीन सौदे को खुद सीएम देवेंद्र फडणवीस द्वारा रद्द किया गया। लेकिन यह तथ्य कि इस सौदे को मंजूरी दी गई थी, दो बातें दर्शाता है। पहला, राजनीतिक घरानों की बिल्डरों से सांठगांठ। दूसरा, जिस तरह से ऐसे सौदे किए जा रहे हैं, वह दिखाता है कि भ्रष्टाचार लौट रहा है, जिसकी भेंट पिछली कई सरकारें चढ़ चुकी हैं। हालांकि, रक्षा सौदों और सीधे लाभ की कल्याणकारी योजनाओं में होने वाला बड़ा भ्रष्टाचार काफी घटा है, लेकिन राज्यों में स्थानीय स्तर पर भ्रष्टाचार बढ़ रहा है। स्थानीय निकायों या सरकारी अस्पतालों में जाएं तो रिश्वत को काम पूरा करने की कीमत माना जाता है। सुविधा शुल्क देकर आप हफ्तों में मिलने वाले मृत्यु प्रमाणपत्र को चंद दिनों में ही ले सकते हैं। लेकिन छोटे-से भ्रष्टाचार की भी कीमत हमेशा मामूली ही नहीं होती, यह जानलेवा भी हो सकती है। मुम्बई जैसे महानगर में भी हमने सड़क के गड्ढ़ों के कारण लोगों की मौत होते देखी है।

कई बार दोपहिया वाहन चालक खतरनाक गड्ढों भरी सड़कों पर हादसों में जान गंवा बैठते हैं। मुम्बई और बेंगलुरु जैसे शहरों में सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार बढ़ा है। प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटन के दो साल बाद ही मुम्बई को नवी मुम्बई से जोड़ने वाले 22 किलोमीटर लंबे अटल सेतु के एक हिस्से की मरम्मत करनी पड़ी थी। बिहार में नए-नवेले पुल ढह गए। अभी तक साफ-सुधरी छवि रखने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) में भी खराब हाइवे निर्माण संबंधी शिकायतों की बाढ़ आ गई है। शहरों में नेताओं, नौकरशाहों और ठेकेदारों के गठजोड़ के तहत इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट का टेंडर निकाला जाता है। लेकिन ठेकेदार को पहले ही बता दिया जाता है कि टेंडर लेने के लिए बोली कितनी कम रखनी है। दुनिया भर में आम तौर पर सड़कों के लिए डामर इस्तेमाल होता है, लेकिन भारत में सीमेंट-कंक्रीट का टेंडर होता है। यह डामर से पांच गुना महंगा होता है, जिससे कमीशन की गुंजाइश बढ़ जाती है।

मान लें किसी प्रोजेक्ट की लागत 100 करोड़ रु. है। पहले से चुना जा चुका ठेकेदार 70 करोड़ की बोली देता है। ठेका मिलने पर वह अनुबंधित राशि में से 20 करोड़ नेता, अफसर और सलाहकारों के गिरोह को कमीशन देता है। बचे 50 करोड़ में वह घटिया सामग्री इस्तेमाल कर सड़क-पुल बनाता है। साल भर में इस पर गड्ढ़े हो जाते हैं और नेता-अफसरों को फिर से मरम्मत के नाम पर टेंडर निकालने का मौका मिल जाता है। इसमें टैक्स देने वाला नागरिक ही ठगाता है। सरकार को ऐसे स्थानीय भ्रष्टाचार के प्रति चिंतित होना चाहिए। 14 नवंबर को बिहार चुनाव का नतीजा चाहे जो हो, लेकिन सभी दलों को ध्यान रखना होगा कि भ्रष्टाचार के चलते ही एक दशक पहले केंद्र और राज्यों में कांग्रेस की सरकारें चली गई थीं। अगर राज्यों और नगरीय निकायों के स्तर पर भ्रष्टाचार नहीं रुका तो इतिहास खुद को दोहरा भी सकता है। अण्णा आंदोलन ने कांग्रेस को सत्ता से बाहर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसके मद्देनजर मोदी को भाजपा शासित राज्यों में भ्रष्टाचार पर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। बिहार के बाद बंगाल, असम, तमिलनाडु और केरल में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इनमें रोजगार, महंगाई और विकास जैसे क्षेत्रीय और स्थानीय मुद्दे बड़ी भूमिका निभाएंगे। जीएसटी और आयकर दरों में कमी के चलते बढ़े उपभोग खर्च ने सरकार को मजबूत मंच दिया है। अब उसे सुनिश्चित करना होगा कि भ्रष्टाचार उसकी बुनियाद को कमजोर ना होने दे।

सरकार को स्थानीय भ्रष्टाचार के प्रति चिंतित होना चाहिए। सभी दलों को ध्यान रखना होगा कि भ्रष्टाचार के चलते ही एक दशक पहले केंद्र-राज्यों में सरकारें गिर गई थीं। अगर राज्यों और नगरीय निकायों के स्तर पर भ्रष्टाचार नहीं रुका तो इतिहास खुद को दोहरा भी सकता है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

बिहार के लोगों ने गर्दा उड़ा दिया

विजय संदेश में बोले PM मोदी

बिहार में एनडीए प्रचंड बहुमत की ओर बढ़ रही है. इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है. दिल्ली में बीजेपी मुख्यालय से कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जय छठी मैया से अपने संबोधन की शुरूआत की. पीएम मोदी ने कहा कि बिहार के लोगों ने गर्दा उड़ा दिया. बिहार के नतीजों पर पीएम मोदी ने कहा, "ये प्रचंड जीत, ये अटूट विश्वास... बिहार के लोगों ने गर्दा उड़ा दिया. हम NDA के लोग, हम तो जनता जनार्दन के सेवक हैं. हम अपनी मेहनत से जनता का दिल खुश करते रहते हैं और हम तो जनता जनार्दन का दिल चुरा कर बैठे हुए हैं, इसलिए आज बिहार ने बता दिया है कि फिर एक बाद NDA सरकार." पीएम मोदी ने कहा, "बिहार के लोगों ने विकसित बिहार के लिए मतदान किया है. बिहार के लोगों ने समृद्ध बिहार के लिए मतदान किया है. मैंने चुनाव प्रचार के दौरान, बिहार की जनता से रिकॉर्ड वोटिंग का आग्रह किया था और बिहार के लोगों ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए. मैंने बिहार के लोगों से एनडीए को प्रचंड विजय दिलाने का आग्रह किया था, बिहार की जनता ने मेरा ये आग्रह भी माना."

कट्टा सरकार बिहार में कभी नहीं लौटेगी: पीएम मोदी

उन्होंने कहा, "जब मैं जंगलराज और कट्टा सरकार की बात करता था तो आरजेडी कोई आपत्ति नहीं जताती थी. हालांकि, इससे कांग्रेस बेचैन हो जाती थी. आज मैं फिर से दोहराना चाहता हूं कि कट्टा सरकार बिहार में कभी नहीं लौटेगी."

'सांप्रदायिक MY फॉर्मूला का अंत'

पीएम मोदी ने कहा, "इस बार लोगों ने बिना डरे मतदान किया. बिहार ने 2010 के बाद का सबसे बड़ा जनादेश NDA को दिया. महागठबंधन ने तुष्टीकरण वाला MY फॉर्मूला बनाया था. आज की जीत ने सकारात्मक MY फॉर्मूला महिला और यूथ बनाया. जनता ने जंगलराज वालों के सांप्रदायिक MY फॉर्मूला का अंत कर दिया. आज बिहार, देश के उन राज्यों में है, जहां सबसे ज्यादा युवाओं की संख्या है और इनमें हर धर्म और हर जाति के युवा शामिल हैं. मैं आज बिहार के युवाओं का विशेष रूप से अभिनंदन करता हूं." पीएम मोदी ने कहा, "बिहार की ये जीत बेटियों और माताओं की जीत है. बिहार अब कभी भी जंगलराज की वापसी नहीं होगी. बिहार में अब तुष्टिकरण की जगह संतुष्टीकरण है. भारत के विकास में बिहार के लोगों की बड़ी भूमिका है. बिहार की विकास अब रुकने वाली नहीं है।

नई सरकार के गठन की तैयारी शुरू

बिहार की राजनीति में अगले 48 घंटे बेहद अहम होने वाले हैं. सोमवार से कई बड़ी बैठकें होने की संभावना है, जिनके बाद राज्य में सरकार परिवर्तन की प्रक्रिया शुरू हो सकती है. माना जा रहा है कि सीएम नीतीश कुमार सोमवार देर शाम या मंगलवार सुबह इस्तीफा भी दे सकते हैं. नई सरकार बनने तक वे कार्यवाहक मुख्यमंत्री बने रहेंगे.

बीजेपी एवं जदयू विधायक दल की बैठक सोमवार को संभव

बीजेपी की ओर से सोमवार को विधायक दल की बैठक बुलाई जा सकती है. इसके लिए केंद्रीय पर्यवेक्षकों की नियुक्ति आज शाम या कल सुबह तक होने की संभावना है. जदयू भी सोमवार को अपने विधायकों की बैठक कर सकती है. यही बैठक आगे की रणनीति और राजनीतिक रास्ता तय करेगी. सोमवार को नीतीश कुमार अपनी कैबिनेट की एक अहम और सम्भवतः अंतिम बैठक कर सकते हैं. कैबिनेट की बैठक के बाद नीतीश कुमार सोमवार देर शाम या मंगलवार सुबह राजभवन जा सकते हैं. वह राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंपेंगे. नई सरकार के शपथ लेने तक वे कार्यवाहक मुख्यमंत्री की भूमिका निभाएंगे.

राजभवन से लौटने के बाद NDA विधायक दल की बैठक

नीतीश के इस्तीफे के बाद NDA विधायक दल की बैठक मुख्यमंत्री आवास पर होगी. इस बैठक में नीतीश कुमार को NDA विधायक दल का नेता चुना जाएगा. NDA विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद नीतीश कुमार दोबारा राजभवन जाकर नई सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे.

22 नवंबर से पहले नई सरकार का गठन जरूरी

वर्तमान 17वीं विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर को समाप्त हो रहा है. इससे पहले नई (18वीं) विधानसभा के गठन और नई सरकार के शपथ का पूरा प्रोसेस पूरा करना जरूरी है. हालांकि, शपथ ग्रहण की तारीख को लेकर अभी कोई पुख्ता जानकारी सामने नई आई है. गौरतलब है कि बिहार में एनडीए ने 202 सीट जीतकर ऐतिहासिक रूप से सत्ता बरकरार रखी. विधानसभा चुनाव में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है. भाजपा के खाते में 89 सीट और वहीं जदयू के खाते में 85 सीट आई हैं.

टिकट कटने पर रोकर RJD को दिया था 25 सीटों का श्राप

राष्ट्रीय जनता दल (RJD) के नेता मदन शाह, जो पिछले महीने टिकट न मिलने पर अपने कपड़े फाड़कर और जमीन पर गिरकर रोते नजर आए थे, उन्होंने बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन के बुरे प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया दी है. मदन शाह ने कहा, 'टिकट नहीं मिलने के दर्द ने उन्हें पागल बना दिया था. मैं पटना में लालू यादव से मिलने गया था, लेकिन कोई मिला नहीं. मैं इतना आहत था कि कपड़े फाड़ दिए. जमीन पर गिर पड़ा और श्राप दे दिया कि उनकी पार्टी 25 सीटों में सिमट जाएगी, और वाकई ऐसा हो गया.' मदन शाह ने कहा, 'मैं अब भी पार्टी के लिए दुखी हूं. पार्टी की हार से मुझे दर्द है, लेकिन जो भगवान करता है, अच्छा करता है. पार्टी में जो चाणक्य कहलाते हैं, वे पार्टी को बर्बाद करने पर तुले हैं. जब तक उन्हें पार्टी से नहीं निकाला जाएगा, कुछ सुधार नहीं होगा।

कांग्रेस-RJD की वोटर अधिकार यात्रा बुरी तरह फेल जहां से गुजरी उस पूरे रूट पर एनडीए का कब्जा

बिहार चुनाव के नतीजों ने साबित कर दिया कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की 'वोटर अधिकार यात्रा' राजनीतिक तौर पर कोई असर नहीं छोड़ पाई. जिस-जिस रूट से यह यात्रा गुजरी, वहां महागठबंधन लगभग साफ हो गया और एनडीए ने भारी जीत दर्ज की. कांग्रेस का दावा था कि यात्रा वोट चोरी के खिलाफ थी, लेकिन विश्लेषकों का मानना है कि यह महागठबंधन की चुनावी जमीन मजबूत करने की कोशिश थी, जो पूरी तरह असफल रही. न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक चुनाव से कुछ सप्ताह पहले शुरू की गई इस यात्रा का दावा भले ही 'वोटों की रक्षा' और 'वोट चोरी के खिलाफ आवाज़' उठाने का था, लेकिन राजनीतिक विश्लेषकों ने इसे महागठबंधन की चुनावी जमीन को मजबूत करने की कवायद के रूप में देखा था. शुक्रवार को जो नतीजे आए हैं उसमें जहां एनडीए को 202 सीटें मिली हैं वहीं महागठबंधन को सिर्फ 35 सीटें मिली हैं. दरअसल 17 अगस्त को सासाराम के डेहरी से शुरू हुई वोटर अधिकार यात्रा बिहार के 38 में से 25 जिलों से होकर गुजरी. जिन क्षेत्रों में यात्रा पहुंची, वहां के परिणाम महागठबंधन के लिए बेहद निराशाजनक रहे।

बिहार चुनाव में 6.65 लाख मतदाताओं ने दबाया NOTA

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में 'उपरोक्त में से कोई नहीं' (N O T A) विकल्प का चुनाव करने वाले मतदाताओं का प्रतिशत पिछले चुनाव के मुकाबले मामूली रूप से बढ़ गया है. हालांकि, यह हिस्सेदारी अभी भी 2015 के विधानसभा चुनावों की तुलना में काफी कम है. यह जानकारी चुनाव आयोग द्वारा जारी किए गए आंकड़ों से सामने आई है. दो चरणों (6 और 11 नवंबर) में हुए मतदान के बाद जारी अंतिम आंकड़ों के अनुसार, 243 सदस्यीय विधानसभा के लिए कुल मतदान में से 1.81 प्रतिशत या 6,65,870 वोट NOTA विकल्प को मिले हैं. 2020 के विधानसभा चुनाव में, लगभग 7,06,252 मतदाताओं ने NOTA को चुना था, जो कुल वोटों का 1.68 प्रतिशत था. इस प्रकार, इस बार NOTA के प्रतिशत में मामूली वृद्धि दर्ज की गई है. 2015 में, 9.4 लाख मतदाताओं ने NOTA का बटन दबाया था, जो उस वर्ष के कुल मतदान का 2.48 प्रतिशत था।

सीमा पर 15000 सैनिक वेनेजुएला पर होगा हमला

नई दिल्ली। जापान में एक बार फिर से भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं. जापान में रविवार शाम पांच बजकर तीन मिनट पर 6.7 तीव्रता का भूकंप आया. इसके बाद इवाते प्रांत में सुनामी का अलर्ट जारी कर दिया गया है. जापानी मीडिया के अनुसार, रविवार शाम को तट पर आए 6.7 तीव्रता के भूकंप के बाद इवाते में सुनामी की चेतावनी जारी की गई. जानकारी के अनुसार, इवाते प्रांत के ओफुनाटो शहर में तटीय क्षेत्रों के 2,825 घरों को खाली करने का आदेश दिया गया है. इसके साथ ही इन घरों में रहने वाले 6,138 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने का निर्देश जारी किया है. जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के अनुसार, शाम 5:39 बजे इवाते के ओफुनाटो बंदरगाह में 10 सेंटीमीटर की सुनामी देखी गई. शाम 5:12 बजे इवाते के तट से 70 किलोमीटर दूर एक कमजोर सुनामी देखी गई. जापान में सुनामी संबंधी चेतावनी में 1 मीटर तक की लहरों की आशंका है. वहीं मोरियोका शहर और इवाते के याहाबा कस्बे के साथ-साथ पड़ोसी मियागी प्रान्त के वाकुया कस्बे में इस भूकंप की तीव्रता 4 मापी गई।

43 कॉल, 200 से ज्यादा मैसेज... , धमाके के बाद आरिफ के थे और भी कई प्लान

'व्हाइट कॉलर' आतंकी नेटवर्क की खुल रही परतें

दिल्ली ब्लास्ट की जांच में जुटी एटीएस और एनआईए को बड़ी सफलता मिली है. जांच एजेंसियों ने जिस 'व्हाइट कॉलर' आतंकी नेटवर्क की तलाश शुरू की थी, अब उसकी कई परतें खुलने लगी हैं. मामले में पकड़े गए डॉक्टर शाहीन सईद, डॉक्टर आरिफ और डॉक्टर मुजम्मिल के बीच गहरे संपर्क का खुलासा हुआ है. सूत्रों के अनुसार, फॉरेंसिक जांच में तीनों के बीच 39 वॉयस कॉल, 43 व्हाट्सऐप कॉल और 200 से अधिक मैसेज मिले हैं. इससे साफ संकेत मिलता है कि तीनों लंबे समय से संपर्क में थे और धमाके की साजिश रचने के बाद लगातार बातचीत कर रहे थे. एजेंसियों ने 25 डिलीटेड मैसेज भी रिकवर किए हैं, जिनमें साजिश की गहराई से जुड़े अहम राज छिपे होने की संभावना है.

आरिफ भागने की तैयारी में था

कानपुर के अशोक नगर स्थित फ्लैट से गिरफ्तार डॉ. आरिफ के कमरे से एजेंसियों को पैक्ड बैग, कपड़े और जरूरी सामान मिले. इससे साफ है कि वह गिरफ्तारी से पहले शहर छोड़ने वाला था. सूत्रों का कहना है कि जैसे ही फरीदाबाद में डॉक्टर शाहीन की गिरफ्तारी की खबर आरिफ को मिली, वह अपनी बारी आने का अंदेशा लगाकर भागने की तैयारी में लग गया था. सुरक्षा एजेंसियों ने समय रहते उसे पकड़ लिया. तलाशी के दौरान एजेंसियों को आरिफ के पास से दो आईफोन और एक की-पैड फोन मिला है. नया आईफोन उसने 27 अक्टूबर को ही खरीदा था. जांच में पता चला है कि उसने पुराने कॉन्टैक्ट्स और डिजिटल ट्रैकिंग से बचने के लिए नया फोन लिया था. लैपटॉप से भी कई संदिग्ध फाइलें मिली हैं, जिनमें दस्तावेज, मैप्स और चैट लॉग शामिल हो सकते हैं इनकी तकनीकी जांच जारी है. खुफिया एजेंसियां अब कानपुर के चमनगंज और बेकनगंज क्षेत्रों की भी जांच कर रही हैं.

सूत्रों के अनुसार शाहीन के भाई डॉक्टर परवेज और उसके रिश्तेदारों की इन इलाकों में मजबूत पकड़ है. जानकारी है कि ये लोग धार्मिक आयोजनों में सक्रिय रहते थे, जहां बड़ी संख्या में बाहरी लोग भी शामिल होते थे. अब एजेंसियां इन बाहरी व्यक्तियों की भी पहचान कर उनके बैकग्राउंड की जांच कर रही हैं.

घर पर अफ्रीका से हारी टीम इंडिया

स्पिनिंग पिच पर ढाई दिन चले मैच में मिली 30 रन से हार

साउथ अफ्रीका ने भारत को पहले टेस्ट में 30 रनों से हराकर 2 मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है. अब टीम इंडिया इस सीरीज को जीत नहीं सकती, आखिरी मैच जीतकर भी भारत सीरीज को ड्रा ही कर पाएगा. कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट में भारत को जीतने के लिए सिर्फ 124 रन ही बनाने थे, जिसका पीछा करते हुए टीम इंडिया 93 रनों पर ढेर हो गई. इसमें टीम इंडिया के नाम 3 अनचाहे रिकॉर्ड दर्ज हो गए.

सबसे कम लक्ष्य का पीछा करते हुए दूसरी सबसे बड़ी हार

टेस्ट क्रिकेट में सबसे कम लक्ष्य का पीछा करते हुए ये भारत की दूसरी सबसे बड़ी हारी है. 1997 में भारत 120 रनों का पीछे करते हुए हार गई थी. वो अभी भी सबसे कम रनों का पीछा करते हुए सबसे बड़ी हार है.

120 vs WI Bridgetown 1997
124 vs SA Eden Gardens 2025
147 vs NZ Wankhede 2024
176 vs SL Galle 2015
193 vs Eng Lord's 2025

साउथ अफ्रीका द्वारा दूसरा सबसे छोटे लक्ष्य का बचाव

सबसे छोटे स्कोर को डिफेंड करते हुए ये साउथ अफ्रीका की दूसरी बड़ी जीत है. इससे पहले साउथ अफ्रीका ने 1994 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 117 रनों को डिफेंड करते हुए जीत दर्ज की थी. इससे पहले लिस्ट में दूसरे नंबर पर 1997 में खेला गया मैच था, जब साउथ अफ्रीका ने पाकिस्तान के खिलाफ 146 रनों को डिफेंड किया था.

117 vs Aus Sydney 1994
124 vs Ind Eden Gardens 2025
146 vs Pak Faisalabad 1997
177 vs SL Kandy 2000

साइमन हार्मर बने मैच के हीरो

साउथ अफ्रीका की दूसरी पारी 153 पर खत्म हुई थी, तब लगा कि भारत इस मैच को आसानी से जीत जाएगा क्योंकि लक्ष्य सिर्फ 124 का था. पहली पारी में 4 विकेट लेने वाले साइमन हार्मर ने दूसरी पारी में भी 4 विकेट लिए, उन्होंने ध्रुव जुरेल, ऋषभ पंत, जडेजा जैसे मुख्य बल्लेबाजों को आउट किया।

दूसरा टेस्ट नहीं खेलेंगे शुभमन गिल?

शुभमन गिल पहले टेस्ट के दूसरे दिन रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर चले गए थे, जिसके बाद वह फिर मैदान पर नहीं आ सके. उन्हें गर्दन में दर्द महसूस हुआ था, जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाना पड़ा. गिल की कमी कोलकाता टेस्ट में खली, जहां

भारत 124 रनों के छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए भी 30 रनों से हार गया. मैच के बाद हेड कोच गौतम गंभीर प्रेस कांफ्रेंस में आए, जहां उन्होंने गिल की इंजरी पर बड़ा अपडेट दिया. भारत बनाम साउथ अफ्रीका दूसरा टेस्ट शनिवार, 22 नवंबर से शुरू होगा, जो गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा. गौतम गंभीर ने प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि दूसरे टेस्ट में शुभमन गिल की उपलब्धता को लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है. उनकी फिटनेस को देखने के बाद ही इस पर अंतिम फैसला लिया जाएगा. गौतम गंभीर ने बताया कि शुभमन गिल बीसीसीआई की मेडिकल टीम की निगरानी में हैं. कोच ने कहा, "उनकी शुभमन गिल की फिटनेस का आकलन कर रहे हैं. देखते हैं क्या होता है. फिजियो आज शाम गिल की चोट को लेकर फैसला लेंगे।

आईपीएल टीमों ने जारी की रिटेंशन लिस्ट

IPL 2026 के लिए सभी दस टीमों ने अपनी रिटेंशन लिस्ट जारी कर दी है. यहां एक ही नजर में आप सभी टीमों की रिटेंशन लिस्ट देख सकते हैं.

RCB की रिटेंशन लिस्ट: रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, फिल साल्ट, जितेश शर्मा, क्रुणाल पंड्या, स्वप्निल सिंह, टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, जैकब बेथेल, जोश हेजलवुड, यश दयाल, भुवनेश्वर कुमार, नुवान तुषारा, रसिख सलाम, अभिनंदन सिंह और सुयश शर्मा

MI की रिटेंशन लिस्ट: हार्दिक पांड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, जसप्रीत बुमराह, दीपक चाहर, नमन धीर, राज अंगद बावा, अश्विनी कुमार, रॉबिन मिंज, रघु शर्मा, रयान रिकल्टन, कॉर्बिन बॉश, विल जैक्स, ट्रेंट बोल्ट, मिचेल सेंटनर, अल्लाह गजनफर

LSG की रिटेंशन लिस्ट: अब्दुल समद, आयुष बडोनी, एडेन मार्करम, मैथ्यू ब्रीत्जके, हिम्मत सिंह, ऋषभ पंत (कप्तान), निकोलस पूरन, मिचेल मार्श, शाहबाज अहमद, अर्शिन कुलकर्णी, मयंक यादव, आवेश खान, मोहसिन खान, मणिमारन सिद्धार्थ, दिगवेश राठी, प्रिंस यादव, आकाश सिंहदो

CSK की रिटेंशन लिस्ट: एमएस धोनी, ऋतुराज गायकवाड़, संजू सैमसन (ट्रेड), शिवम दुबे, डेवाल्ड ब्रेविस, आयुष म्हात्रे, उर्विल पटेल, शिवम दुबे, रामकृष्ण घोष, जेमी ओवर्टन, नूर अहमद, खलील अहमद, अंशुल कंबोज, नाथन एलिस, श्रेयस गोपाल, मुकेश चौधरी, गुरजपनीत सिंह

SRH की रिटेंशन लिस्ट: पैट कमिंस (कप्तान), ट्रेविस हेड, अभिषेक शर्मा, अनिकेत वर्मा, आर स्मरण, इशान किशन, हेनरिक क्लासेन, नितीश कुमार रेड्डी, हर्ष दुबे, कामिंडु मेंडिस, हर्षल पटेल, ब्रायडन कार्स, जयदेव उनादकट, ईशान मलिंगा, जीशान अंसारी

गुजरात की रिटेंशन लिस्ट: शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, कुमार कुशाग्र, अनुज रावत, जोस बटलर, निशांत सिंधु, वाशिंगटन सुंदर, अरशद खान, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, इशांत शर्मा, गुरनूर सिंह बरार, राशिद खान, मानव सुथार, साई किशोर और जयंत यादव

पंजाब की रिटेंशन लिस्ट: प्रभसिमरन सिंह, प्रियांश आर्य, श्रेयस अय्यर, शशांक सिंह, नेहल वढेरा, मार्कस स्टोइनिस, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को जानसेन, हरप्रीत बराड़, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, मुशीर खान, प्याला अविनाश, हरनूर पन्नू, सूर्यांश शेडगे, मिशेल ओवेन, जेवियर बार्टलेट, लॉकी फर्ग्यूसन, विशक विजयकुमार, यश ठाकुर, विष्णु विनोद

दिल्ली की रिटेंशन लिस्ट: अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल, अभिषेक पोरेल, ट्रिस्टन स्टब्स, करुण नायर, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, विप्रज निगम, माधव तिवारी, त्रिपुराना विजय, अजय मंडल, कुलदीप यादव, मिशेल स्टार्क, टी नटराजन, मुकेश कुमार, दुशमंता चमीरा

KKR की रिटेंशन लिस्ट: अजिंक्य रहाणे, सुनील नरेन, रिंकू सिंह, अंगकृष रघुवंशी, मनीष पांडे, वरुण चक्रवर्ती, लवनिथ सिसोदिया, रहमानुल्लाह गुरबाज, रमनदीप सिंह, अंकुल रॉय, रोवमन पॉवेल, हर्षित राणा, वैभव अरोड़ा, चेतन सकारिया, स्पेंसर जॉनसन

700MW से 1600MW क्षमता के न्यूक्लियर प्लांट लगाएगी एनटीपीसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी देश के विभिन्न स्थानों पर 700 मेगावाट, 1,000 मेगावाट और 1,600 मेगावाट क्षमता वाली परमाणु ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित करने की योजना बना रही है.

कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी. एनटीपीसी का लक्ष्य 2047 तक भारत की प्रस्तावित 100 गीगावाट परमाणु क्षमता में 30 प्रतिशत हिस्सेदारी (30 गीगावाट) हासिल करना है. उद्योग के अनुमान के अनुसार, एक गीगावाट क्षमता वाले परमाणु संयंत्र के लिए 15,000-20,000 करोड़ रुपये के निवेश की आवश्यकता होती है और आमतौर पर इसकी शुरुआत से इसे चालू करने तक में तीन साल का समय लगता है.

कंपनी इन राज्यों में तलाश रही है जमीन

कंपनी की परमाणु विस्तार योजनाओं पर जानकारी देते हुए एक अधिकारी ने कहा कि, एनटीपीसी वर्तमान में गुजरात, मध्य प्रदेश, बिहार और आंध्र प्रदेश सहित कई राज्यों में भूमि विकल्पों का मूल्यांकन कर रही है. कंपनी की रणनीतिक योजना से जुड़े एक अधिकारी ने कहा, "परमाणु परियोजनाओं की क्षमता क्रमशः 700 मेगावाट, 1,000 मेगावाट और 1,600 मेगावाट होगी."एनटीपीसी परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड द्वारा चिन्हित और अनुमोदित राज्यों में परमाणु ऊर्जा विकास कार्य जारी रखेगी.

Alphabet में बफेट ने खरीदे 4.9 अरब डॉलर के 17.9 मिलियन शेयर

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे बड़े इंवेस्टर वॉरेन बफेट की कंपनी बर्कशायर हैथवे ने तीसरी तिमाही में गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट इंक के 1.79 करोड़ शेयर खरीदे हैं, जबकि बैंक ऑफ अमेरिका कॉर्प और एप्पल इंक में अपनी हिस्सेदारी लगातार कम करते जा रहे हैं. इसका खुलासा एक ऐसे वक्त पर हुआ, जब सीईओ के रूप

में 60 साल की उनकी लंबी पारी अब जल्द ही खत्म होने वाली है. यूएस सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन को सौंपे गए रेगुलेटरी फाइलिंग में बर्कशायर ने कहा कि 30 सितंबर तक उनके पास अल्फाबेट के 1.785 करोड़ शेयर थे, जिनकी कीमत शुक्रवार को बाजार बंद होने तक 4.9 अरब डॉलर थी. इस बीच, बर्कशायर ने तीसरी तिमाही में आईफोन बनाने वाली कंपनी एप्पल (Apple) में अपनी हिस्सेदारी 28 करोड़ शेयरों से घटाकर 23.82 करोड़ शेयर कर दी है. यह कटौती कई तिमाहियों से जारी है, जिसके चलते उन्होंने पहले अपने पास पहले मौजूद 90 करोड़ से ज्यादा शेयरों में से लगभग तीन-चौथाई शेयर बेच दिए हैं. हालांकि, बावजूद इसके एप्पल 60.7 अरब डॉलर के साथ बर्कशायर के स्टॉक पोर्टफोलियो का सबसे बड़ा हिस्सा है.

फिर चमकेगा सोना! कीमतों में 20 फीसदी तक इजाफा

नई दिल्ली। घरेलू फ्यूचर मार्केट में सोने और चांदी की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव जारी है. शुक्रवार, 14 नवंबर को इन दोनों ही बहुमूल्य धातुओं के कीमतों में जबरदस्त गिरावट देखने को मिली थी. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (MCX) पर 5 दिसंबर का एक्सपायरी वाला गोल्ड फ्यूचर वायदा शुक्रवार को लगभग 3300 रुपए टूट गया था. वहीं, चांदी भी करीब 6900 रुपए फिसल गई. ऐसे में निवेशकों के मन में यह सवाल आ रहा है कि, क्या सोने की कीमतों में उछाल आएगा या इसकी कीमतें कम होंगी. मनीकंट्रोल में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार, सोने की कीमतों में आने वाले कुछ दिनों में तेजी देखने को मिल सकती है।

सोना, चांदी और क्रिप्टो को लेकर की भविष्यवाणी

बिटकॉइन क्रैश के बाद भी शांत हैं कियोसाकी

पूरी दुनिया में अपनी किताब "रिच डैड पुअर डैड" के लिए प्रसिद्ध रॉबर्ट कियोसाकी ने वैश्विक स्तर पर जारी उतार-चढ़ाव और बिटकॉइन में हुई जबरदस्त गिरावट को लेकर अपनी राय दी है. रॉबर्ट ने कहा है कि, बाजार में इस गिरावट के बावजूद भी वे अपना निवेश बेचने का कोई इरादा नहीं रखते हैं. बतौर रॉबर्ट, वैश्विक स्तर पर नकदी की मांग के कारण ये गिरावट देखी जा रही है. उनके अनुसार बाजार की वास्तविक कीमतों में कोई कमी नहीं है. उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट करके अपनी बात कही है. उन्होंने कहा कि, वे अपना निवेश नहीं बेच रहे हैं, बल्कि उनकी योजना निवेश को बनाए रखने की है.

रॉबर्ट कियोसाकी का मानना है कि, सोना , चांदी , बिटकॉइन और एथेरियम जैसी चीजों की कीमतें बढ़ सकती हैं. बतौर रॉबर्ट, लोगों को इस वक्त नकदी की जरूरत है. अपनी इस निवेश सलाह पर जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि, दुनिया में बढ़ता हुआ कर्ज और बड़ी मौद्रिक घटनाओं की संभावना आने वाली है.

निवेश की सलाह गलत साबित हो सकती है

रॉबर्ट कियोसाकी ने यह बात स्पष्ट तौर पर कही है कि, उनकी निवेश राय हर बार सही साबित नहीं होती है. इसलिए वे किसी भी तरह के निवेश की सलाह नहीं दे रहे हैं. उन्होंने कहा कि, वे सिर्फ बता रहे हैं कि, वे अपने पैसों के साथ क्या करने वाले हैं.

कौन है रॉबर्ट कियोसाकी?

रॉबर्ट कियोसाकी अमेरिका के एक प्रसिद्ध व्यवसायी, निवेशक और लेखक हैं. "रिच डैड पुअर डैड" के लेखक होने के नाते उनकी पहचान पूरी दुनिया में है. उनकी यह किताब इंटरनेशनल बेस्ट सेलर का खिताब भी जीत चुकी है. विकिपीडिया के अनुसार, कियोसाकी रिच ग्लोबल एलएलसी और रिच डैड कंपनी के संस्थापक हैं , जो लोगों को वित्तीय शिक्षा देने का काम करती है. रॉबर्ट अब तक 26 से अधिक किताबें लिख चुके हैं.

पीएम ने की सीएम साय की तारीफ, मुख्यमंत्री ने किया ये एलान

जनजातीय गौरव दिवस पर बोले मोदी- छत्तीसगढ़ की कायाकल्प कर रहे हमारे विष्णुदेव साय

शहर सत्ता/रायपुर। गुजरात के नर्मदा जिले में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर आयोजित जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की खुलकर प्रशंसा की। पीएम मोदी ने कहा कि "छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री, हमारे जनजातीय समाज के विष्णु देव साय राज्य का कायाकल्प कर रहे हैं।" उन्होंने बताया कि BJP-NDA हमेशा से आदिवासी समाज के योग्य नेताओं को शीर्ष पदों पर पहुंचाने का प्रयास करती रही है। पीएम मोदी ने कहा कि सरदार पटेल की 150वीं जयंती के बाद अब भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती का यह भव्य आयोजन भारत पर्व की पूर्णता का प्रतीक है। अंत में उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा को नमन किया।

छात्रों व कामगारों के लिए बनेगा हॉस्टल

जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पुलिस मैदान में आयोजित कार्यक्रम में मंच से ही समाज की कई मांगों पर मुहर लगा दी। मुख्यमंत्री साय ने सबसे पहले बिलासपुर में भगवान बिरसा मुंडा की आदमकद प्रतिमा स्थापित करने और बिलासपुर के एक प्रमुख चौक का नाम उनके नाम पर करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री साय ने लाल खदान ओवरब्रिज का नामकरण शहीद वीर नारायण सिंह के नाम पर करने की घोषणा की। सीएम साय ने जनजातीय छात्र-छात्राओं के लिए 300 और 200 सीटर क्षमता वाला अत्याधुनिक पोस्ट मैट्रिक छात्रावास बनाने की बड़ी घोषणा की। इससे उच्च शिक्षा के लिए शहर आने वाले विद्यार्थियों को सुरक्षित और आधुनिक आवास सुविधा मिल सकेगी।

20 नवंबर को छत्तीसगढ़ प्रवास पर आ रही राष्ट्रपति

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 20 नवंबर को छत्तीसगढ़ प्रवास पर आएंगी। वे अंबिकापुर में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर होने वाले आयोजनों में शामिल होंगी। राष्ट्रपति के आगमन की तैयारियां शुरू हो गई है। राष्ट्रपति के अलावा सीएम विष्णुदेव साय भी इस कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। राष्ट्रपति के आगमन की तैयारियों को लेकर वित्त मंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री ओपी चौधरी ने शनिवार को समीक्षा बैठक की। बैठक में सरगुजा संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर, एसपी और अन्य अधिकारी ऑनलाइन जुड़े।

कांग्रेस ने किया कर्मचारियों पर एस्मा लगाए जाने का विरोध

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ में सहकारी समितियों के हड़ताली कर्मचारियों पर सरकार द्वारा एस्मा लगाए जाने का कांग्रेस ने विरोध किया है। कांग्रेस का कहना है कि कर्मचारी लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन उनकी आवाज सुनने के बजाय सरकार ने सीधे एस्मा लागू कर दिया, जो पूरी तरह गलत है। कांग्रेस का आरोप है कि कर्मचारियों की समस्याओं को समझने की बजाय सरकार तानाशाही रवैया अपना रही है। PCC चीफ दीपक बैज ने कहा पिछले साल की तरह इस बार भी हमारे नेता धान खरीदी केंद्रों का निरीक्षण करेंगे।
बैज ने कहा धान खरीदी केंद्रों के कर्मचारी हड़ताल पर हैं, सरकार ने मोदी गारंटी के नाम पर झूठ बोलकर सत्ता हासिल की, सरकार उनकी मांगों को पूरा करने की बजाय एस्मा लगाकर कार्रवाई की जा रही है, ये तानाशाही है। सरकार को उनसे बात करनी चाहिए, उनकी मांगों पर विचार करना चाहिए,बीच का रास्ता निकालना चाहिए, लेकिन सरकार की नियत साफ नहीं है इसलिए समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। सहकारी समिति कर्मचारी संघ के प्रदेश स्तरीय पदाधिकारियों पर कार्रवाई करते हुए उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं।

हड़ताल पर पदाधिकारियों पर गिरी गाज-सेवाएं समाप्त

- प्रदेश अध्यक्ष व धमतरी के प्रबंधक नरेंद्र साहू
- महासचिव व राजनांदगांव के प्रबंधक ईश्वर श्रीवास
- चांपा पैक्स सोसाइटी के प्रबंधक गोविंद नारायण मिश्रा
- संघ के कोषाध्यक्ष जागेश्वर साहू
- राजनांदगांव के किशुन देवांगन
- सेवा सहकारी समिति लखनपुर के प्रबंधक शामिल है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान धमतरी आएंगे

शहर सत्ता/रायपुर। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान 19 नवंबर को धमतरी का दौरा करेंगे। वे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त जारी करने के कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय भी सभा में मौजूद रहेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश भर के किसानों के लिए पीएम किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त जारी करेंगे। इसका सीधा प्रसारण धमतरी के एकलव्य परिसर में भी किया जाएगा, जहां बड़ी संख्या में किसानों के जुटने की उम्मीद है।

तैयारियों और सुरक्षा का निरीक्षण

कार्यक्रम की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। राज्य के वन मंत्री केदार कश्यप और राजस्व तथा जिला प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा ने स्थानीय डॉ. शोभाराम देवांगन हायर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम स्थल का विस्तृत निरीक्षण किया है। सुरक्षा व्यवस्था का जायजा पुलिस अधीक्षक ने लिया है।

तैयारियों में भाजपा की भी जुटी

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से भी कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने के लिए लगातार बैठकें की जा रही हैं। महापौर रामु रोहरा ने बताया कि केंद्रीय कृषि मंत्री के आगमन से धमतरी को कुछ नई सौगातें मिलने की उम्मीद है, जो जिले के लिए गर्व का विषय होगा।

शोले फिल्म के जय–वीरु अंदाज में बनाया वीडियो, कांग्रेस ने कहा-अपनी चोरी छुपा रहे हैं भाजपाई

भाजपा ने राहुल–भूपेश को बताया 'चुनौती और पनौती'

शहर सत्ता/रायपुर। बिहार चुनाव नतीजों को लेकर छत्तीसगढ़ भाजपा ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर बैक टू बैक वीडियो जारी कर राहुल गांधी और भूपेश बघेल को चुनौती और पनौती बताया है। इस वीडियो में भाजपा ने कहा कि राहुल गांधी कांग्रेस के लिए चुनौती हैं, जो पार्टी को बर्बाद कर रहे हैं। वहीं भूपेश बघेल कांग्रेस के लिए पनौती हैं, जो जहां-जहां वे चुनाव प्रचार में गए हैं, कांग्रेस हार गई।

वहीं एक दूसरे वीडियो में फिल्म शोले की थीम पर राहुल गांधी और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को जय-वीरु की तरह दिखाया गया है। वीडियो में लिखा गया है कि कांग्रेस के ये दो पनौती जहां भी जाएं, वहां हार होती ही होती है। कांग्रेस ने भाजपा पर पलटवार किया है और कहा कि ये वीडियो उनकी नाकामी छिपाने का तरीका है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि बिहार में अब चोरी की सरकार बनी है और चुनाव आयोग के गठबंधन की सरकार है। भाजपा अपने इस प्रोपेगेंडा के जरिए इस बात से ध्यान भटकाना चाहती है। लगातार पोल खुल रहे हैं कि बिहार में वोट कैसे चोरी हुए, और भाजपा अपनी चोरियों को छिपा रही है।

बिहार चुनाव में भूपेश बघेल ने निभाई है अहम जिम्मेदारी

कांग्रेस ने बिहार चुनाव अभियान में भूपेश बघेल को बड़ी जिम्मेदारियां दी थी। भूपेश बघेल न केवल स्टार प्रचारक थे, बल्कि उन्हें पूरे चुनाव के लिए सीनियर ऑब्जर्वर भी बनाया गया था। दोनों चरणों के मतदान से पहले वे लगातार सभाएं, रोड शो और बैठक कर रहे थे।

श्रम संहिता: भविष्य अनुकूल कार्यबल का निर्माण

नियोक्ताओं, श्रमिकों, गिग इकोनॉमी प्रतिभागियों, महिला कर्मचारियों और बड़े पैमाने पर समाज को लाभ पहुंचाने के लिए एक सरलीकृत, समावेशी और प्रगतिशील ढांचा

सुश्री ज्योति विज

देश आर्थिक और श्रम परिदृश्य में एक ऐतिहासिक परिवर्तन का साक्षी बन रहा है। 29 से अधिक केंद्रीय श्रम कानूनों को चार व्यापक श्रम संहिताओं में समेकित करना केवल एक विधायी प्रक्रिया नहीं है बल्कि यह श्रम इकोसिस्टम निर्माण की दिशा में एक कदम है जो आधुनिक, समावेशी और तेजी से बदलती अर्थव्यवस्था की वास्तविकताओं के प्रति उत्तरदायी है।

लंबे समय से उद्योग जगत द्वारा श्रम सुधार एक मुख्य मांग रही है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के एकीकरण, प्रौद्योगिकी द्वारा उद्योगों को बाधित करने और रोजगार के नए विकल्पों के उभरने के साथ, देश को एक ऐसे ढांचे की आवश्यकता है जो व्यापार प्रतिस्पर्धात्मकता का समर्थन कर सके और श्रमिकों के अधिकारों और गरिमा की रक्षा कर सके। चार श्रम संहिताएं- मजदूरी, औद्योगिक सम्बंध, सामाजिक सुरक्षा, और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और काम करने की स्थिति पर - एक एकीकृत और सरलीकृत प्रणाली प्रदान करके ठीक यही करना चाहती हैं जो अस्पष्टता को कम करती है और अधिक समानता सुनिश्चित करती है। उद्यमों के लिए, विशेष रूप से प्रतिस्पर्धी वैश्विक वातावरण में, श्रम संहिता बहुत आवश्यक सरलीकरण प्रदान करती है। कई अनुपालन और अतिव्यापी परिभाषाओं को एक

स्पष्ट और एकीकृत प्रणाली में बदल दिया गया है। डिजिटल फाइलिंग, समान वेतन परिभाषाएं और सुव्यवस्थित लाइसेंसिंग प्रक्रियाएं अनुपालन बोझ को कम करती हैं और पारदर्शिता लाती हैं। ये सुधार देश के एमएसएमई और स्टार्ट-अप के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं। अनुपालन जटिलता को कम करके और एकल-खिड़की मंजूरी को सक्षम करके, श्रम संहिताएं छोटे व्यवसायों को तेजी से बढ़ने और घरेलू और वैश्विक बाजारों में अधिक प्रभावी ढंग से भाग लेने के लिए सशक्त बनाती हैं। महत्वपूर्ण रूप से, निश्चित अवधि के रोजगार और आधुनिक विवाद समाधान के प्रावधान व्यवसायों को प्रक्रियात्मक देरी से बाधित हुए बिना बढ़ने और अनुकूलन करने के लिए लचीलापन प्रदान करती हैं। समान रूप से महत्वपूर्ण छोटे अपराधों का गैर-अपराधीकरण है, जो विशिष्ट प्रक्रियात्मक उल्लंघनों के लिए आर्थिक दंड के साथ कारावास को प्रतिस्थापित करता है। यह अधिक विश्वास-आधारित अनुपालन वातावरण के लिए एक प्रगतिशील पहल का प्रतिनिधित्व करता है, अनावश्यक मुकदमेबाजी को कम करता है, और नियोक्ताओं और नियामकों के बीच स्व-नियमन और सहयोग की संस्कृति को बढ़ावा देता है।

श्रमिकों के लिए संहिता, निष्पक्षता के सिद्धांत को सुदृढ़ करती है। वेतन संहिता सार्वभौमिक न्यूनतम मजदूरी और वेतन का समय पर भुगतान सुनिश्चित करती है, इससे मनमाने या विलंबित भुगतान की संभावना समाप्त हो जाती है। व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य स्थिति संहिता कार्यस्थल सुरक्षा को मजबूत करती है, कल्याणकारी सुविधाओं को अनिवार्य करती है, और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच शुरू करती है। भविष्य निधि, ग्रेच्युटी, मातृत्व अवकाश और बीमा सहित सामाजिक सुरक्षा लाभ श्रमिकों के व्यापक आधार तक बढ़ाए जाते हैं, इससे उन लाखों लोगों को वित्तीय सुरक्षा मिलती है जो पहले इस दायरे में नहीं आते थे।

आयुष्मान योजना अंतर्गत मिली 130 करोड़ की राशि

रायपुर। वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए भारत सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ को 130 करोड़ रूपए की अतिरिक्त राशि जारी की गयी है। इस तरह से पीएन जन आरोग्य योजना के लिए राज्य सरकार को अब तक 505 करोड़ रूपए की राशि प्राप्त हो चुकी है। इस राशि से राज्य के निजी अस्पताल के दावों का लगातार भुगतान किया जा रहा है। गौरतलब है कि स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने जानकारी दी थी कि राज्य में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत पंजीकृत निजी अस्पतालों द्वारा आयुष्मान कार्डधारक मरीजों का उपचार लगातार किया जा रहा है। वर्तमान में प्रतिदिन लगभग 1,600–1,700 दावे प्रस्तुत किए जा रहे हैं, जिनकी राशि प्रतिदिन 4 करोड़ रुपये से अधिक है।

राज्य में अवैध परिवहन किए जा रहे 19 हजार 320 क्विंटल धान जब्त

रायपुर। छत्तीसगढ़ में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारम्भ होने के पूर्व से ही प्रदेश में अवैध परिवहन से आने वाले धान की कड़ी निगरानी रखी जा रही है। पिछले एक नवंबर से 16 नवंबर तक लगभग 19 हजार 320 क्विंटल धान जब्त किया गया है। इस बार मार्कफेड द्वारा राज्य में अवैध परिवहन के जरिए अन्य राज्यों से छत्तीसगढ़ आने वाले धान को रोकने के लिए राज्य के सीमावर्ती जिलों में चेकपोस्ट और कलेक्टर की अध्यक्षता में टॉस्कफोर्स भी बनाए गए हैं। इसके साथ ही मार्कफेड में स्थापित इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के माध्यम से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी व्यवस्था की सतत् निगरानी की जा रही है।

मार्कफेड द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले एक नवंबर से 16 नवंबर के अवधि में सीमावर्ती विभिन्न जिलों से छत्तीसगढ़ राज्य में अवैध परिवहन के माध्यम से आने वाले धान में सर्वाधिक महासमुंद जिले में 4266 क्विंटल धान जब्त किया गया है। इसी प्रकार बलरामपुर जिले में 4139 क्विंटल, सूरजपुर जिले में 1750 क्विंटल, रायगढ़ जिले में 1201 क्विंटल, जशपुर जिले में 1157 क्विंटल, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में 967 क्विंटल, कोण्डागांव जिले में 869 क्विंटल, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 687 क्विंटल, राजनांदगांव 607 क्विंटल, मुंगेली में 490 क्विंटल, बलौदाबाजार में 386 क्विंटल, बिलासपुर में 273 क्विंटल, कोरिया में 253 क्विंटल, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 250 क्विंटल, सरगुजा में 240 क्विंटल, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 228 क्विंटल, दंतेवाड़ा में 220 क्विंटल, बस्तर जिले में 218 क्विंटल, सक्ती में 137 क्विंटल, सुकमा में 130 क्विंटल, बालोद में 123 क्विंटल, गरियाबंद में 122 क्विंटल, जांजगीर-चांपा में 119 क्विंटल, कवर्धा में 90 क्विंटल, कोरबा में 85 क्विंटल, रायपुर में 84 क्विंटल, धमतरी में 72 क्विंटल, नारायणपुर में 53 क्विंटल, दुर्ग में 38 क्विंटल, बेमेतरा में 32 क्विंटल, मोहला-मानपुर-चौकी में 27 क्विंटल धान जब्त किए गए हैं।

पारंपरिक एवं सांस्कृतिक धरोहर पर अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका का लोकार्पण

रायपुर। अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक अध्ययन केंद्र (आईसीसीएस) भारत–रायपुर चैप्टर तथा नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एनआईटी) रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में आज एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विशेषज्ञ व्याख्यान, शैक्षणिक संवाद तथा इंटरनेशनल जर्नल ऑफ वर्ल्ड्स एंसिएंट ट्रेडिशनल ऐंड कल्चरल हेरिटेज (IJWATCH) का औपचारिक लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत आईसीसीएस रायपुर चैप्टर के सचिव श्री अशिष पटेल के स्वागत उद्बोधन से हुई, जिसमें उन्होंने संगठन की गतिविधियों तथा सांस्कृतिक अध्ययनों में उसके योगदान का विस्तृत परिचय प्रस्तुत किया। स्वतंत्र शोधकर्ता डॉ. निर्मला तिवारी ने प्रथम विशेषज्ञ व्याख्यान देते हुए वियतनाम के बहुसांस्कृतिक और स्वागतपूर्ण सामाजिक वातावरण पर अपने अध्ययन एवं अनुभव साझा किए। उन्होंने अपने शोध यात्रा के आधार पर वियतनाम की सांस्कृतिक विविधता और भारत के लिए उसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात् नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी रायपुर के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की शोधार्थी सुश्री कीर्ति नाहक ने गोंड प्रतिरोध तथा छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य विषय पर प्रस्तुति दी।

कृत्रिम गर्भाधान से जन्मी बछिया, दूध ₹1000–2000 लीटर; PM मोदी के पास भी इसी नस्ल की गायें

जशपुर में पुंगनूर नस्ल की दुनिया की सबसे छोटी गाय का जन्म

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में कृत्रिम गर्भाधान (AI) तकनीक से पुंगनूर नस्ल की मादा बछिया का जन्म हुआ है। यह वही नस्ल है जिसे दुनिया की सबसे छोटी गाय के रूप में जाना जाता है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास भी इसी नस्ल की गायें मौजूद हैं। गोढ़ीकला और करमीटिकरा–करूमहुआ गांव में इस बछिया के जन्म के बाद लोगों की भीड़ इसे देखने पहुंच रही है।

पशुपालक की मांग पर किया गया था कृत्रिम गर्भाधान

गांव के पशुपालक खगेश्वर यादव ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा पालित छोटी नस्ल की गायों का वीडियो देखने के बाद उन्होंने अपने गांव में भी ऐसी गाय पालने की इच्छा जताई। इसके बाद उन्होंने पत्थलगांव पशु चिकित्सालय के पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी के.के. पटेल से संपर्क किया। पशु चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि पुंगनूर नस्ल मुख्य रूप से तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में पाई जाती है। सीधे पशु लाना महंगा पड़ने के कारण आधुनिक तकनीक आर्टिफिशियल इनसेमिनेशन का विकल्प चुना गया। इसके लिए निजी संस्था से पुंगनूर नस्ल के सांड का सीमेन मंगाया गया। 29 जनवरी 2025 को कृत्रिम गर्भाधान कराया गया था। लगभग 284 दिनों बाद, 11 नवंबर 2025 की सुबह मादा बछिया का जन्म हुआ।

बहुत शांत, कम जगह में पालन योग्य नस्ल

डॉ. बी.पी. भगत ने बताया कि पुंगनूर गाय बेहद शांत स्वभाव की होती है और इसे पालना आसान है। यही कारण है कि दक्षिण भारत में लोग इन्हें पालतू साथी पशु के रूप में भी रखते हैं। नस्ल की ऊंचाई सामान्यतः 17 से 24 इंच होती है। मादा का वजन औसतन 115 किग्रा और नर का वजन 225 किग्रा होता है। यह गाय 4–5 लीटर तक दूध दे सकती है। नस्ल की दुग्ध गुणवत्ता के कारण इसका दूध ₹1000 से ₹2000 प्रति लीटर और घी ₹50,000 प्रति किलो तक बिकता है।

पशुपालक और अधिकारियों को मिला सम्मान

इस उपलब्धि के लिए डॉ. बी.पी. भगत ने पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी के.के. पटेल और पशुपालक खगेश्वर यादव को शाल और श्रीफल देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि न केवल पत्थलगांव, बल्कि पूरे जशपुर जिले के लिए गौरव की बात है।

मौत की अफवाहों के बीच घर लौटे धर्मेंद्र

89 साल की उम्र में बॉलीवुड के ही-मैन ने जिंदादिली और जज्बे से किया सबको हैरान

बॉलीवुड के "गरम धरम" माने जाने वाले, हमारे बॉलीवुड के असली ओरिजिनल ग्रीक गॉड, धर्मेंद्र जी का अस्पताल से परिवार के साथ घर लौटना, वाकई उन्हे वो पहलवान साबित करता है जिसके बारे में उन्होने कई बार कहानी सुनाई थी कि वे अपने करियर की शुरुआत में जहां भी ऑडिशन देने जाते थे वहीं लोग उन्हे हीरो गिरी छोड़ कर पहलवानी करने की सलाह देते थे। आज जब वे बॉलीवुड के इतिहास में, इस सदी के सबसे लोकप्रिय हैंडसम स्टार हीरो के रूप में अपना नाम दर्ज कर चुके हैं तो उनकी वही शारीरिक ताकत ने दिखा दिया कि हां वे पहलवान है। वैसे मौत तो सबको आती है, कोई अमर नहीं है,पहलवानों की भी आती है, मेरी भी आएगी, आपकी भी आएगी, आज भी आ सकती है, कल भी आ सकती है और दस साल बाद भी आ सकती है। लेकिन इस वक्त तो धर्मेंद्र के परिवार, उनके शुभचिंतकों, ब्रीचकैंडी अस्पताल के कुशल डॉक्टर्स, धरम जी के फैंस के दिलों में जो उम्मीदें और दुआएं थीं, वे पूरी हुई हैं। 89 साल के उम्र में धर्मेंद्र ने अपनी जिंदादिली और जज्बे से सभी को हैरान कर दिया है। अस्पताल से उनके बाहर आने की खबर ने उनके चाहने वालों को बहुत राहत और खुशी दी है। ये धर्मेंद्र की हिम्मत ही है कि उन्होने जीवन की चुनौतियां और संघर्ष से कभी हार नहीं मानी।

संघर्ष और चुनौतियों का सामना तो धर्मेंद्र साहब का तब से है जब वे सिर्फ फिल्मफेयर के एक टैलेंट कॉन्टेस्ट के भरोसे एकदम अकेले, बिना किसी जान पहचान, बिना किसी ठौर ठिकाना, बिना ज्यादा पैसों के वे लुधियाना से मुंबई आ गए थे। लेकिन जिस फिल्म के लिए उन्होंने ये कॉन्टेस्ट जीता था वो तो बनी ही नहीं। ना जाने कितनी बार उन्हे इस तरह हार का सामना करना पड़ा। कई स्ट्रगलर लड़कों के साथ एक छोटे से कमरे में रहते थे, कईकई रात दो वक्त का खाना भी नहीं जुगाड़ हो पाता था, एक बार तो भूख के मारे इतना बुरा हाल था कि अपने रूममेट द्वारा रखी गई इसबगोल की भूसी का पूरा पैकेट खा गए और फिर भुगत ना पड़ा । कपड़े भी ऐसे सही नहीं थे जिसे पहन कर वे ऑडिशन देने जाते। दो जोड़ी कपड़ों को घुमा फिरा कर पहनते थे। सर्दी में ना उनके पास स्वेटर होती थी ना कोट और फिल्मों की पार्टी या मुहूर्त में तो शिरकत करने लायक उनके पास कोई इंतजाम भी नहीं होता था।

शुरूआती संघर्ष के दिनों में वे एक और फिल्म के लिए चुने भी गए थे, लेकिन अंततः वो भी बन नहीं पाई, जिससे उन्हें काफी निराशा हुई। लेकिन धर्मेंद्र ने हार नहीं मानी। उन्होंने मशहूर अभिनेता मनोज कुमार से प्रेरणा लेकर और मेहनत करके जल्दी ही अपने लिए रास्ता बनाया। उस समय उनकी जेब हमेशा खाली रहती थी। मुंबई में उनकी हालत ऐसी थी कि उनके जेब में रहता तो कुछ नहीं था पर उम्मीद थी आसमान छूने की। मुंबई में टिके रहने के लिए उन्होंने एक गैराज में काम शुरू किया जहां उन्हें 200 रुपये महीने मिलते थे। किराए का कमरा लेना ना पड़े इसलिए गरैज में ही रात बिताते थे, भूख और ठंड सहते थे, मगर सपनों को छोड़ना नहीं चाहते थे। जले पर नमक की बात ये थी कि उनकी पहली फिल्म 'दिल भी तेरा, हम भी तेरे' के लिए उन्हें मात्र 51 रुपये और दिन में एक बार चाय और टोस्ट मिलती थी। लेकिन धर्मेंद्र ने अपने संघर्षों और असफलताओं से घबराए बिना विश्वास बनाए रखा और अपने संघर्ष को जीत में बदला।

बॉलीवुड इंडस्ट्री में वे सबसे ज्यादा मेहनती और लोगों के लिए दिल से काम करने वाले कलाकारों में से एक माने जाते हैं। उन्होंने अपने परिवार की जिम्मेदारी अकेले ही संभाली, खासकर जब एक समय, वे अपने पिता के निधन जैसे संकट से गुजरे। शराब की आदत से भी उन्होंने खुद को बाहर निकाला, उन्होंने खुद माना था कि वे पहले बड़े बूजर थे, लेकिन एक दिन उन्होंने फैसला किया कि अब 'बस काफी हुआ' और पूरी जिंदगी ने नया मोड़ ले लिया।

धर्मेंद्र ने अपनी ज़िंदगी में कई बार कठिन संघर्ष का सामना किया और उसके

8 साल में इमरान हाशमी की लगातार 7वीं फिल्म हुई फ्लॉप

बॉलीवुड एक्टर इमरान हाशमी पिछले 13 सालों से एक हिट फिल्म के लिए तरस रहे हैं. पिछले 8 सालों में एक्टर की 7 फिल्में रिलीज हुईं और सभी बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुईं. हाल ही में इमरान हाशमी की फिल्म 'हक' थिएटर्स में रिलीज हुई थी लेकिन ये भी बॉक्स ऑफिस पर नाकाम साबित हुई. इसी के साथ एक्टर के खाते में एक और फ्लॉप फिल्म जुड़ गई है. इमरान हाशमी की फिल्म 'हक' 7 नवंबर को थिएटर में रिलीज हुई थी. शाह बानो केस पर बनी इस फिल्म का बजट 40 से 42 करोड़ रुपए था. लेकिन 10 दिन में 'हक' अपनी लागत का आधा भी नहीं वसूल पाई है. फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर महज 16.67 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया है. इस हफ्ते सिनेमाघरों में कई नई फिल्में रिलीज हुई हैं, ऐसे में 'हक' का कलेक्शन ज्यादा स्लो हो गया है . इमरान हाशमी ने आखिरी हिट फिल्म साल 2011 में दी थी जो कि द डर्टी पिक्चर है. इसके बाद 2012 में उनकी फिल्म जन्नत 2 आई जो एवरेज रही. इसके बाद उनकी फिल्में 'शंघाई', 'रश', 'एक थी डायन', 'घनचक्कर', 'राजा नटवरलाल', 'उंगली', 'मिस्टर एक्स', 'हमारी अधूरी कहानी', 'अजहर' और 'राज रीबूट' फ्लॉप रहीं. 'व्हाई चीट इंडिया', 'द बॉडी', 'मुंबई सागा', 'चेहरे', 'सेल्फी', और 'ग्राउंड जीरो' भी बॉक्स ऑफिस पर नाकाम रही. सिर्फ 'राज 3' (2012) सेमी हिट रही और 'बादशाहो' (2017) एवरेज साबित हुई.

'वाराणसी' के टीजर ने लोगों को बनाया दिवाना

हॉलीवुड ब्लॉकबस्टर 'अवतार' से हुई तुलना

तेलुगू सिनेमा की तरफ से जल्द एक ऐसी फिल्म सामने आएगी, जिसके बारे में कहा जा रहा है कि वो इंडियन सिनेमा को हमेशा के लिए बदलकर रख सकती है. फिल्ममेकर एस.एस.राजामौली, सुपरस्टार महेश बाबू के साथ अपनी अगली फिल्म लेकर आ रहे हैं जिसका शनिवार को हैदराबाद में फर्स्ट लुक टीजर जारी किया गया. राजामौली की फिल्म जिसका टाइटल 'वाराणसी' रखा गया है, एक ऐसी कहानी लेकर आएगी जो सभी को हैरान करने का दमखम रखती है.

डायरेक्टर ने अपनी फिल्म के फर्स्ट ग्लिप्स में एक ऐसे ब्रह्मांड की रचना दिखाई है, जो आज से पहले इंडियन सिनेमा में कभी नहीं देखा गया. नॉर्थ से लेकर साउथ तक फैंस इस फिल्म को लेकर अपनी एक्साइटमेंट बयां कर चुके हैं. सोशल मीडिया पर सिर्फ राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' की चर्चा है. इसका फर्स्ट ग्लिम्प्स देखकर साउथ के कुछ बड़े डायरेक्टर्स और आर्टिस्ट्स भी चौंक गए हैं. वो राजामौली द्वारा बनाए गए इस सिनेमैटिक मास्टरपीस की जमकर तारीफ कर रहे हैं. 'केजीएफ' डायरेक्टर प्रशांत नील ने X पर महेश बाबू के लुक और फिल्म के टीजर को सराहा है. उन्होंने लिखा, 'धन्यवाद एस.एस.राजामौली सर. महेश बाबू का लुक फिल्म में बहुत आकर्षक लग रहा है. मैं इसे देखने के लिए बेहद एक्साइटेड हूं.'

प्रशांत के अलावा, सनी देओल की फिल्म 'जाट' के डायरेक्टर गोपिचंद मेलिनेनी ने भी 'वाराणसी' के टीजर को शानदार बताया. उन्होंने इसकी झलक को एक शानदार 'सिनेमैटिक ब्रिलियंस' कहा. साउथ सिनेमा के जाने-माने एक्टर ब्रह्मजी ने महेश बाबू की 'वाराणसी' को जेम्स कैमरून की फिल्म 'अवतार' का बाप कहा।

'बिग बॉस 19' से बाहर आते ही दूल्हा बनेंगे मृदुल

टीवी का सबसे विवादित रिएलिटी शो 'बिग बॉस 19' अब अपने आखिरी पड़ाव पर है. खबरें हैं कि दिसंबर के पहले हफ्ते में ही शो का फिनाले होने वाला है. वहीं फिनाले से पहले फेमस यूट्यूबर मृदुल तिवारी घर से बेघर हो गए हैं. उनके इविक्शन से सिर्फ फैंस को ही नहीं घरवालों को भी बड़ा झटका लगा था. बिग बॉस के घर से बेघर होकर मृदुल इन दिनों मुंबई शहर के मजे ले रहे हैं. हाल ही में उन्हें एक कैफे के बाहर स्पॉट किया गया. जहां वो अपनी शादी की बात करते दिखे. मृदुल तिवारी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रहा है. इस वीडियो में उन्होंने अपनी शादी को लेकर एक बड़ा हिंट दिया है. दरअसल ये वीडियो मुंबई के एक कैफे का है. जहां पैपराजी ने मृदुल को शनिवार के दिन स्पॉट किया. इस दौरान वो ऑल ब्लैक लुक में काफी डैशिंग लग रहे थे. वीडियो में मृदुल जैसे ही पैप्स से बात करके अंदर जाने लगे, तभी एक महिला उनसे मदद मांगने लगती है. उसे देख मृदुल वापिस आते हैं और महिला को पैसे भी देते हैं. मृदुल तिवारी ने जैसे ही गरीब महिला को पैसे दिए, वो यूट्यूबर को आशीर्वाद देने लगती हैं. ये देखकर मृदुल काफी खुश हो जाते हैं और उनसे कहते हैं कि मुझे शादी का आशीर्वाद दो, मेरी शादी जल्दी हो जाए बल्कि अभी हो जाए. ये आशीर्वाद दो कि 7 मार्च को शादी हो ही जाए. अब मृदुल ने ये बात फनी वे में कही, या ये सच है, ये तो मार्च में ही पता चलेगा, लेकिन यूट्यूबर को ये कहता देख उनके फैंस खुशी से झूम उठे हैं और उनसे भाभी का नाम भी पूछ रहे हैं.

रीति रिवाज के निर्वहन में मांदी भात

कृष्ण कुमार पटेल

छत्तीसगढ़ में कोनो रीति रिवाज के निर्वहन में समाज या जाति में मांदी भात खवाय के अलग अलग परम्परा है। हमर पुरखा मन जेन विधान बनाय हे वोकर पालन करत हर नेग न निभाए के प्रयास होवत रहिथे। इही कड़ी में हर समाज के मांदी भात खवाय के रिवाज ल देखथन। कोनो समाज में पतरी रेंगाए के बाद सबले पहली मिर्चा के बुकनी चटनी देथे तेकर पाहू रोटी कलेवा अऊ साग भात परोसथे। मांदी म जेवन पोरसाय के बाद कोनो समाज होय अपन कुल देवी देवता के बंदगी करके जेवन शुरू करथे। अलग अलग समाज में अलग अलग कलेवा के जादा महत्तम है। लाड़ू, बरा, सोहारी तो सब समाज में चलथे। फेर कोनो समाज में बोरे बरा जरूरी होथे। ए कलेवा पोरसाथे तभे कुटुम्ब ह मांदी भात खाथे। मछरी मरड्या समाज में मांदी म मछरी तो नी रांधे फेर मांदी म मिर्चा पोरसइया ले चिंगरी लेव कहत जाथे। आदिवासी संस्कृति में मन तरपी भात घलो खवाय के रिवाज है, जेमा मंद पियाय के पाल्छु जेवन पोरसाय जाथे।

हर समाज में बर बिहाव, मरनी, पूजा पाठ आऊ सुख दुख के काम कारज में मांदी भात खवाय के रिवाज है। बेरा के साथ येहु में बदलाव देखे जावत है, फेर अपन संस्कृति संग परम्परा के उचित निर्वहन के जिम्मेदारी हम सब झन के हे।

फुलझर राज के जमींदार ठाकुर गिरिराज सिंह का कार्यकाल अविस्मरणीय रहा

आर. के. बेहार

छत्तीसगढ़ में फुलझर राज्य में सातवीं पीढ़ी के छठवें जमींदार ठाकुर गिरिराज सिंह थे। आपका जन्म लगभग 1880 में बड़े ठकुराइन के गर्भ से हुई। आपकी शिक्षा दीक्षा दादा ठाकुर उमराव सिंह तथा पंडित गजाधर प्रसाद के देखरेख में हुई। आपको अंग्रेजी शिक्षा के लिए रायपुर लाया गया। आपको अंग्रेजी, संस्कृत और उड़िया का अच्छा ज्ञान था, इस कारण अंग्रेजी हुकूमत में आपकी अच्छी पकड़ रही।

31 वर्ष की उम्र में सुअरमार गढ़ की आपने जिम्मेदारी संभाली। आपको प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट का दर्जा प्राप्त था। आपके कार्यकाल में कचहरी रिकार्ड रुम, पुलिस चौकी बनी जिसमें स्थानीय सिपाहियों के साथ ब्रिटिश टुकड़ी सहायता के लिए उपलब्ध थी। वे एक लोकप्रिय शासक होने के साथ ही बहादुर सेना नायक भी थे। आपके कार्यकाल में दरबार के अलावा कचहरी लगती थी। न्याय पाने अनेक मामले सामने आने लगे, कानून की धारा के महत्व को समझा जाने लगा। पहले महल को आधुनिक स्वरूप आपने प्रदान किया, तथा सुख सुविधा युक्त बनाया। वे हाथी में सवारी करते थे तथा अच्छे तलवारबाज और घुड़सवार थे। आपको संगीत और शिकार का भी शौक था। धार्मिक प्रवृत्ति होने के कारण महादेव में पूजा अर्चना की शुरुआत के साथ ही प्राचीन स्थल को पहचान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए रसनी से चंद्राकर परिवार को सुअरमार जमींदारी लाने का श्रेय आपको है। संगीत और कला को बढ़ावा देने में आपने कोई कमी नहीं की। इस जमींदार के शासन काल में विकास के अनेक आयाम का लाभ जनता को मिलता रहा। बाग बगीचे, वनोपज उत्पादन, स्कूल, अस्पताल, आश्रम बनवाया। इस तरह आपका कार्यकाल अविस्मरणीय रहा।

अंचल के प्रमुख लोक नाट्य उत्सुकता से आज भी देखे जाते हैं

पुष्पांजलि दास

छत्तीसगढ़ी नाट्य साहित्य एक ओर जहां लोक नाट्य परम्परा को संजोकर रखता है, वहीं दूसरी ओर हिन्दी नाटकों से भी अवलंबित है। वस्तुतः नाटक और एकांकी अभी शैशव अवस्था में है। छत्तीसगढ़ी नाट्य के भागीरथी पंडित लोचन प्रसाद पाण्डेय लिखित कलिकाल से छत्तीसगढ़ी नाट्य की शुरुआत हुई। डा. खूबचंद बघेल रचित करम छड़हा, केयूर भूषण रचित सोना कैना, प्रेम साइमन कृत गम्मतिहा, दशमत कैना और घर कहां हे, शकुन्तला कृत चूरी, जनरैल सिंह कृत बेटवा बिहाव, किसान के कल्लई, टिकेंद्र टिकरिहा कृत सौ नाटकों में साहूकार ले छुटकारा, गवैया, सऊत के डर, नवा बिहान और देवार डेरा प्रमुख है। लखन लाल गुप्त कृत बेटी के मंसूबा और बर के खोज में, नारायण लाल परमार कृत मतवार, कपिलनाथ कश्यप कृत अंधियारी रात, पूजा के फूल और गुरावट बिहाव है। द्वितीय उत्थान काल में समय के अनुसार नाटक व नाटककारों की संख्या में वृद्धि हुई। छत्तीसगढ़ी नाटक में काव्य नाटिका भी लिखी गई, जिसमें जीवन यदु द्वारा लिखित ऐसनेच रात पहाही एक उच्च कोटि की काव्य नाटिका है। नुक्कड़ नाटक लेखन में सुरेन्द्र दुबे द्वारा लिखित दो पांव का आदमी और पीरा सम्मिलित है। छत्तीसगढ़ी नाटकों में समसामयिक विषयों के अनुसार अलग अलग प्रकार के नाटककारों ने अनेक नाटकों की रचना की, जिसमें हास्य व्यंग्य से से संबंधित विषय भी सम्मिलित है।

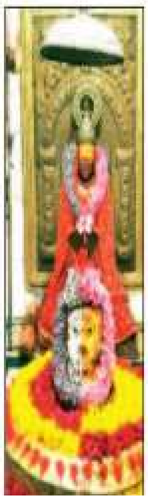

रामायणकालीन साक्ष्य बाघेश्वरनाथ मंदिर में

कमलेश यादव

भगवान राम वन गमन के दौरान आरंग नदी के किनारे अपने ईष्टदेव की पूजा करने के लिए रेत से शिवलिंग निर्मित किए थे। उनकी इस स्मृति को जीवंत बनाए रखने के लिए शिवलिंग स्थल पर ही बाघेश्वर शिव मंदिर बनाया गया है। यह एक प्राचीन शिव मंदिर है। मंदिर की प्रायः सभी दीवारें स्तंभों पर टिकी हैं, जिन पर योगिनी का अंकन देखी जा सकती है। इस मंदिर के द्वार पर चार स्तंभ हैं। मंदिर के पश्चिम भाग में जैन साधक की मूर्ति है जिसे मां पार्वती के रूप में पूजते हैं। मुख्य द्वार के दोनों ओर बाघ की प्रतिमा होने के कारण इसे बाघ देवल मंदिर कहा जाता है। रथ शैली में निर्मित इस मंदिर का शीर्ष भाग लगभग 60 फीट ऊंचा है। इस मंदिर का आकलन करने पर पता चलता है कि यहां जैन धर्म का प्रभाव प्राचीन काल से रहा है, इसके साथ ही आरंग में जैन तीर्थकर की ओर भी प्रतिमाएं स्थापित हैं।

आंचलिक लोकगीतों में नारी के विविध स्वरूप

बिहारी लाल तारम

छत्तीसगढ़ में नारियों की जीवन शैली सीधी साधी गाय के समान मानी जाती है। माता पिता द्वारा उनका संबंध जिस किसी के साथ जोड़ दिया जाता है उसे वह अपना कर्तव्य समझकर जीवन भर साथ निभाने के लिए तैयार हो जाती है। ससुराल में वह पति की सेवा को सबसे बड़ा धर्म समझती है। नारी स्वभाव से ही संकोचशील होती हैं, फिर ससुराल का अनुशासन भी अलग होता है। वहां नारी के लिए मर्यादा की निश्चित सीमा होती है। पहले समय में विवाह के बाद पुरुष को धनाभाव के कारण कमाई के लिए परदेश जाना पड़ता था, तब उनकी पत्नी कुटुंब में रहकर सास ससुर, देवर, ननद, जेठानी और सारे रिश्ते नाते को निभाते हुए गृहस्थी का बोझ उठाती हैं। संयुक्त परिवार में कभी कभी परिस्थितिवश इन रिश्तों में खटपट भी हो जाती थी, जिसके कारण वियोगिनी को ससुराल का जीवन कष्टप्रद लगने लगता था। नारी अपने सुख की घड़ियों को तमाम रिश्तेदारों में सहर्ष बांट लेती हैं, पर विडंबना यह है कि अपने दुख को किसी से कह नहीं पति। अपने अंतस की पीड़ा को गीतों के माध्यम से अभिव्यक्त करती हैं, जिनमें सुआ गीत और नृत्य प्रमुख है। लोक नाट्य नाचा के जनाना गीत की पंक्तियों में इसका उल्लेख मिलता है -

अई... हो.... नारी मन बर... पति सेवा हे वो दाई.... नारी मन बर पति सेवा हे ना... मनखे मन बर... लखन देवता हे दाई...... नारी मन बर पति सेवा हे ना...।

देर है, अंधेर नहीं...राजन्

मुख्य संवाददाता/प्रदीप चंद्रवंशी
मोबाईल नंबर 7000681023

किसी देश का भविष्य शिक्षक और वहां का शिक्षा स्तर निर्धारित करता है। इसमें उनसे शिक्षा प्राप्त छात्र और छात्रों की भूमिका भी अहम होती है। लेकिन सत्ता की बेपरवाही और अनदेखी से त्रस्त अपनी गुरु दक्षिणा के लिए तरसते गुरुजनों को मज़बूरी में फिर अपनी शिखा खोलनी पड़ती है। कुछ ऐसा ही E-संवर्ग के 1400 से अधिक प्राचार्यों के साथ छत्तीसगढ़ की पूर्ववर्ती सरकार ने किया। आखिरकार नई सरकार बनने के बाद पदोन्नति प्रक्रिया तेज हुई। हालांकि इसके लिए गुरुजनों को काफी लम्बी लड़ाई लड़ना पड़ा। खैर, ऊपर देर है पर अंधेर नहीं...फैसला गुरुजनों के हित में आया।

कल से काउंसलिंग, हाई से सुप्रीम कोर्ट तक हुई लड़ाई	E-संवर्ग के 1400 से अधिक प्राचार्यों का होगा प्रमोशन	HC के फैसले के बाद DPI प्रक्रिया पूरी करने में जुटा	17 नवंबर से काउंसलिंग: 2:1:1 रेशियो होगा फॉलो	नई सरकार बनने के बाद तेज हुई पदोन्नति प्रक्रिया

शहर सत्ता/रायपुर। छत्तीसगढ़ में प्राचार्य पदोन्नति प्रक्रिया 30 अप्रैल को पूरी होने के बावजूद न्यायालयीन अड़चन के कारण रुकी हुई थी। लेकिन हाईकोर्ट में फैसला आने के बाद मामला साफ हो चुका है और 17 नवंबर से ई-संवर्ग 1400 से अधिक प्राचार्य पोस्टिंग के लिए काउंसलिंग शुरू होगी। डीपीआई कार्यालय ने इसकी तैयारी तेज कर दी है। काउंसलिंग प्रक्रिया पूरी होने के लगभग सात दिनों के बाद शासन स्तर पर आदेश जारी हो जाएगा। नार्मली आदेश जारी होने के सात दिनों के भीतर ज्वाइनिंग करनी होती है। लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद विभाग को यह समझ आया कि एलबी संवर्ग को शामिल किए बिना प्राचार्य पदोन्नति संभव नहीं है।

प्राचार्य पदों में शिक्षाकर्मियों को शामिल करने की लंबी लड़ाई

शिक्षाकर्मी और एलबी संवर्ग को प्राचार्य पदोन्नति से बाहर रखने की कोशिशों के खिलाफ छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन लंबे समय से संघर्षरत था। शासन ने पहले 25% पदों पर शिक्षाकर्मियों को प्राचार्य बनाने की व्यवस्था की गई थी, लेकिन कई स्तरों पर इसका क्रियान्वयन नहीं हो सका। शिक्षाकर्मियों को शामिल किए बिना पदोन्नति प्रक्रिया शुरू होने पर संजय शर्मा के नेतृत्व में टीम ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर कराई।

डीपीसी निरस्त, वन टाइम रिलेक्सेशन भी नहीं मिला

केवल शासकीय व्याख्याताओं की पदोन्नति के लिए जारी डीपीसी को एलबी संवर्ग के संविलियन के बाद निरस्त कराने में CGTA की टीम सफल रही। इसी तरह पदोन्नति के लिए वन टाइम रिलेक्सेशन (5 वर्ष की जगह 3 वर्ष अनुभव) का प्रावधान तो लागू हुआ, पर एलबी संवर्ग को इसका फायदा नहीं दिया गया।

- 126 पदोन्नत प्राचार्य पोस्टिंग से पहले ही सेवानिवृत्त
- 30 अप्रैल को पदोन्नत प्राचार्यों में से 126 बिना पोस्टिंग रिटायर
- इस महीने 24 और सेवानिवृत्त होंगे, व्यवस्था की खामियां उजागर

नई सरकार बनने के बाद तेज हुई प्रक्रिया

नई सरकार आने के बाद मुख्यमंत्री, तत्कालीन शिक्षा मंत्री, शिक्षा सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी, संचालक दिव्या मिश्रा, से लगातार संवाद चलता रहा। वरिष्ठता सूची का अंतिम प्रकाशन और डीपीसी प्रस्ताव भी तेजी से आगे बढ़ाया गया। इसी बीच डीपीआई टीम ने पूरा ब्लॉक लेवल डेटा वेरीफिकेशन करके डीपीसी पूरा कराया।

हाई कोर्ट से सुप्रीम कोर्ट तक हुई लड़ाई

- सिंगल बेंच में हार
- फिर डबल बेंच में अपील
- अनुभव के 5 वर्ष पूरे न मानने पर पुनः याचिका
- अंततः 5 वर्ष अनुभव पूरा होने के बाद मामला मजबूत हुआ
- सुप्रीम कोर्ट में भी सुनवाई हुई और पदोन्नति पेंडिंग हुई

17 नवंबर से काउंसलिंग: 2:1:1 रेशियो होगा फॉलो

डीपीआई ऋतुराज रघुवंशी, आशुतोष चावरे, ए.एन. बंजारा सहित पूरी टीम प्राचार्य पोस्टिंग की प्रक्रिया को अंतिम रूप दे रही है। काउंसलिंग में टी संवर्ग के नियम ई संवर्ग में भी लागू होंगे इसके साथ ही 2:1:1 के रेशियो में एलबी संवर्ग को बेहतर शाला विकल्प मिले, इसके लिए भी छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

10 साल से स्कूलों में प्राचार्य की भारी कमी

राज्य में पिछले एक दशक से हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूलों में प्राचार्य पदों पर भारी रिक्तियां बनी हुई हैं। वर्तमान में स्थिति यह है कि लगभग 80% शालाओं में प्राचार्य नहीं हैं इन स्कूलों का संचालन प्रभारी प्राचार्यों, व्याख्याताओं या वरिष्ठ शिक्षकों के भरोसे चल रहा है।

- - शैक्षणिक गुणवत्ता प्रभावित हो रही
- - संकुल और शाला प्रबंधन कमज़ोर
- - निरीक्षण और अकादमिक मॉनिटरिंग लगभग ठप
- - प्राचार्य पोस्टिंग से शिक्षा गुणवत्ता में बड़ा सुधार संभव

T-संवर्ग के प्राचार्यों को मिला प्रमोशन, E-संवर्ग वालों का रुका

छत्तीसगढ़ के स्कूल शिक्षा विभाग में प्राचार्य पदों पर बड़े पैमाने पर रिक्तियां हैं, लेकिन पदोन्नति के बावजूद पोस्टिंग नहीं होने से स्थिति गंभीर हो गई है। 30 अप्रैल 2025 को की गई प्राचार्य पदोन्नति के बाद टी संवर्ग के पदोन्नत प्राचार्यों की पोस्टिंग 29 अगस्त को कर दी गई। जबकि इसी नियम (5 मई 2019) के तहत पदोन्नत किए गए ई संवर्ग के प्राचार्य पोस्टिंग का इंतजार कर रहे हैं।

टी-संवर्ग (T-Cadre) क्या है?

- T = टीचिंग कैडर (शासकीय शिक्षक / नियमित भर्ती वाले शिक्षक)
- टी-संवर्ग वे शिक्षक होते हैं जिन्हें शुरुआत से ही शिक्षा विभाग द्वारा सरकारी भर्ती (CGPSC / व्याख्याता भर्ती / शिक्षक भर्ती) के माध्यम से नियुक्त किया गया था।

टी-संवर्ग में कौन शामिल

- शासकीय व्याख्याता
- शासकीय शिक्षक / सहायक शिक्षक
- नियमित भर्ती से आए स्टाफ

टी-संवर्ग की विशेषताएं

- शुरुआत से ही सरकारी सेवा में
- सेवा नियम स्पष्ट
- अनुभव गणना में कोई विवाद नहीं
- पदोन्नति प्रक्रिया सहज और बिना अवरोध के

स्थायी प्राचार्य मिलने से ये लाभ

- शैक्षणिक गतिविधियों में तेजी
- बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी मजबूत
- शिक्षकों की निगरानी व मार्गदर्शन बेहतर
- शाला प्रबंधन और अनुशासन में सुधार होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्री सुकांत राजपूत द्वारा ए.आर. प्रिंटर्स, निरंकारी फर्नीचर के पीछे, पंडरी रायपुर से मुद्रित एवं शहरसत्ता, एस-15 प्रियदर्शिनी नगर, सेक्टर 1, मातृ-पितृ छाया अपार्टमेंट, रायपुर (छ.ग.),
मोबाईल नं. 98271-81979, फोन नं. 0771-3158142, संपादक - सुकांत राजपूत (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार के लिए जिम्मेदार), महाप्रबंधक - प्रदीप चंद्रवंशी (मो. 70006-81023)। डाक पंजीयन - CG/RYP/DN/70/2025-27